दैनिक
उजाला संदेश
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

RNI No. MPHIN/2022/83759

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | भोपाल, बुधवार 15 अप्रैल, 2026 | वर्ष-04 | अंक-131 | पेज-08 | मूल्य-1.00/-

सुविचार

बड़ा सोचो , जल्दी सोचो , आगे सोचो विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर फैसला नहीं दे सकता

● सबरीमाला मंदिर प्रशासन ने कहा- कुछ लोगों का अधिकार पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह तय होगा उसी समुदाय की आस्था के आधार पर। जज खुद यह तय

नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत। उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए कुछ लोगों (महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर 'सुप्रीम' रोक

● कांग्रेस नेता को तगड़ा झटका, कहा- हम फैसले से आश्चर्यचकित हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बहुत बड़ा झटका दिया है। सर्वोच्च अदालत ने कांग्रेस नेता को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली न केवल ट्रांजिट अग्रिम जमानत को स्टे कर दिया है, बल्कि उन्हें दी गई राहत पर आश्चर्य भी जताया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल शरचंद्र चांदूरकर की बेंच ने बुधवार को इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करते हुए नोटिस जारी किया है। पवन खेड़ा को इसका जवाब तीन हफ्तों के अंदर देना है। असम सरकार ने तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश

को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।
सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि अगर पवन खेड़ा इस दौरान असम के क्षेत्राधिकार वाली अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका देते हैं तो सर्वोच्च अदालत द्वारा पास अंतरिम आदेश का उस याचिका पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ेगा। इस केस में असम सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पवन खेड़ा की याचिका में यह नहीं बताया गया था कि तेलंगाना उनके मामले में क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र कैसे बनता है। तुषार मेहता ने अदालत के सामने यह भी दलील दी कि तेलंगाना हाई कोर्ट ने इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया कि आरोपी के खिलाफ एक अपराध में अधिकतम 10 साल की सजा का प्रावधान है। **यह पूरी तरह से प्रक्रिया के साथ खिलवाड़-** सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा,अगर ऐसा होने लगे, एक व्यक्ति पूरे देश में प्रॉपर्टी खरीद सकता है और जहां से भी चाहे अग्रिम जमानत की मांग कर सकता है।

एमपी बोर्ड 12वीं का रिजल्ट, 76 फीसदी स्टूडेंट्स पास

● भोपाल की खुशी राय और चांदनी टॉपर,16 साल में सबसे बेहतर परिणाम

भोपाल (एजेंसी)। एमबी बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार (15 अप्रैल) को सीएम हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में परिणाम जारी किया। इस बार का रिजल्ट पिछले 16 सालों में सबसे बेहतर रहा है। छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मारी है। भोपाल की खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने मेरिट में पहला स्थान हासिल किया है। दोनों ने 500 में से 494 अंक हासिल किए हैं। खुशी शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और चांदनी गुरुदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़, भोपाल की छात्रा हैं। नई शिक्षा नीति के तहत अब 7 मई 2026 से द्वितीय अवसर परीक्षा आयोजित की जाएगी, और विद्यार्थियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 18002330175 भी जारी किया गया है।

10 फरवरी से 7 मार्च तक हुई थी परीक्षा- एमपी बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 के बीच आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में कुल 6,89,746 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 6,13,634 नियमित और 76,112 स्वाध्यायी परीक्षार्थी थे। एमपी बोर्ड 12वीं के रिजल्ट में इस बार चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। रीवा और सीधी जैसे पड़ोसी जिलों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। जहां सीधी टॉप-5 जिलों में शामिल है, वहीं रीवा बॉटम-5 में पहुंच गया है। बड़े शहरों का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। जबलपुर 33वें, इंदौर 43वें और भोपाल 45वें स्थान पर रहा। यह स्थिति इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि इन जिलों में स्कूल शिक्षा विभाग के हाईटेक और संसाधनयुक्त संस्थान, जैसे संदिपनी स्कूल, मौजूद हैं। बेहतर सुविधाओं और संसाधनों के बावजूद इन जिलों का रिजल्ट लगातार नीचे बना हुआ है, जो शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

● **पूरक परीक्षा की जगह द्वितीय अवसर परीक्षा का आयोजन होगा-** मंडल द्वारा इस वर्ष से पूरक परीक्षा के स्थान पर द्वितीय अवसर परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। ऐसे छात्र जो मंडल की प्रथम परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुपस्थित या अनुत्तीर्ण रहे हों, वे द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। इसके साथ ही, ऐसे छात्र जो किसी विषय में उत्तीर्ण हो चुके हैं, वे भी अंक सुधार के लिए द्वितीय अवसर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। परीक्षार्थियों के प्रथम एवं द्वितीय अवसर में से जो भी श्रेष्ठ परिणाम होगा, वही अंतिम रूप से मान्य रहेगा। प्रायोगिक विषयों में विद्यार्थियों को केवल अनुत्तीर्ण भाग में ही सम्मिलित होने की पात्रता होगी। द्वितीय अवसर परीक्षा में विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी।

किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता :सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-किसानों को सोलर पम्प उपयोग के लिए करें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को निर्बाध रूप से सस्ती बिजली सुलभ कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस काम के लिए सरकार किसानों को हर जरूरी मदद देने को तैयार है। किसानों को सस्ती बिजली मिलेगी, तो वे अपना उत्पादन भी बढ़ा सकेंगे और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा प्राप्ति के लिए उन्हें स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनाया जाए। इसके लिए किसानों को हरित ऊर्जा उत्पादन से जोड़ा जाए। ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर ही हम किसानों का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सोलर पम्प का उपयोग करने के लिए हर तरीके से प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को जो इससे जुड़ना चाहते हैं, विभाग उनका हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन भी करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की प्रचलित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य के हित में किसानों और नागरिकों सभी को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य तय हैं।

निकाय पदाधिकारियों के साथ होगा उन्मुखीकरण कार्यक्रम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीयनिकाय कचरा बेचकर और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (रूफ टॉप स्कीम) में तेजी से प्रगति लाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को इस विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल में एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम किया जाए। यह कार्यक्रम जल्दी ही किया जाए, ताकि निकायों को काम करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

राज्य के ऊर्जा हितों का रखें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश सरकार के साथ मिलकर मुरैना में 2 हजार मेगावॉट (2 गीगावॉट) की अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क की स्थापना की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि इस मेगा परियोजना में राज्य के ऊर्जा हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा मात्र पीक पीरियड में ही ग्रीन एनर्जी सप्लाय की मंशा व्यक्त की गई है। इस संबंध में उत्तरप्रदेश सरकार के वरिष्ठतम विभागीय अधिकारियों के साथ समुचित समन्वय किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) प्रोडक्शन के लिए तय किए गए लक्ष्यों को और भी परिशोधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम बी) में अब तक 27 हजार 100 सोलर पम्प स्थापित किए जा चुके हैं। अगले दो साल में 4 लाख पम्पों को सौर ऊर्जीकृत करने का लक्ष्य है। इसके क्रियान्वयन के लिए विभाग ने 36 इकाइयां चुन ली हैं।

उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से रोशन हो रहा प्रदेश का भविष्य

● मुख्यमंत्री ने घोषित किए 10 और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम, बेटियां रहीं अव्वल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा हम सभी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। बोर्ड परीक्षा के परिणाम ही हमारे भविष्य की दिशा तय करते हैं। मध्यप्रदेश में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा से हमारे विद्यार्थियों का भविष्य दिनों दिन रोशन हो रहा है। मुख्यमंत्री डा. यादव ने बुधवार को संवाद भवन (मुख्यमंत्री निवास) में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा ली गई कक्षा 10वीं, 12वीं एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) मुख्य परीक्षा- 2026 के परिणाम घोषित किए। वर्ष 2026 में कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 73.42 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने इस बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम इस बार बीते 16 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ रहा है।

● **हाईस्कूल परीक्षा में 73.42 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिली-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फरवरी से मार्च के बीच कक्षा 10वीं की परीक्षा हुई, जिसमें 8 लाख 97 हजार विद्यार्थी शामिल हुए। हाईस्कूल परीक्षा में 73.42 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिली है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले 69.31 प्रतिशत छात्र और 77.52 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं। शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम 76.80 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों का 68.84 प्रतिशत रहा है।

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी

शपथ के बाद पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के छुए पैर

जेडीयू से विजय चौधरी-बिजेंद्र यादव बने डिप्टी सीएम

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतिश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतिश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया।

बिहार में नरेंद्र मोदी और नीतिश मॉडल ही चलने वाला है

शपथ ग्रहण के बाद मीडिया से बाद करते हुए सम्राट चौधरी ने पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पदभार संभालते ही स्पष्ट कर दिया है कि बिहार के विकास और शासन व्यवस्था के लिए नरेंद्र मोदी और नीतिश मॉडल ही चलेगा। पीएम मोदी ने भी सम्राट चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम को बधाई दी। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा- बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढेरों शुभकामनाएं! उनकी ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव बेहद उपयोगी साबित होने वाला है।

18 साल तक चलता रहा वेतन घोटाला- जिम्मेदारों पर कब होगी निर्णायक कार्रवाई?

मध्यप्रदेश सड़क परिवहन निगम (MPSRTC) में सामने आया 18 वर्षों तक चला वेतन घोटाला केवल एक वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि प्रशासनिक ढांचे की गहरी खामियों और संभावित मिलीभगत का प्रतीक है। 12 फर्जी कर्मचारियों के नाम पर करीब 49 लाख रुपये का गबन यह बताता है कि निगरानी और ऑडिट व्यवस्था लंबे समय तक या तो निष्क्रिय रही या जानबूझकर नजरअंदाज करती रही। इस मामले में इंदौर के एमजी रोड थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने तत्कालीन प्रभारी मैनेजर राजेश कुमार मीणा और परिचालक मोहम्मद शकील को नामजद आरोपी बनाया है, जबकि अन्य संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यह स्पष्ट है कि इतने लंबे समय तक चलता रहा यह घोटाला किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं थी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि 1998 से 2016 तक लगातार फर्जी खातों में वेतन जाता रहा और विभागीय तंत्र को इसकी भनक तक नहीं लगी। क्या ऑडिट सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया था? या फिर अंदरूनी स्तर पर मिलीभगत इतनी गहरी थी कि हर स्तर पर इसे दबाया जाता रहा? फर्जी बैंक खातों के जरिए सरकारी राशि का ट्रांसफर और निकासी यह दर्शाता है कि यह सुनियोजित और संगठित तरीके से किया गया गबन था। ऐसे में उस समय पदस्थ अन्य अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है और जांच का दायरा बढ़ना तय माना जा रहा है। यह मामला तब उजागर हुआ जब पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए-जो अपने आप में यह सवाल खड़ा करता है कि अगर यह पहल न होती, तो क्या यह घोटाला आगे भी चलता रहता? अब जबकि एमजी रोड थाना पुलिस जांच कर रही है, जरूरी है कि राजेश कुमार मीणा, मोहम्मद शकील सहित सभी संबंधित लोगों की भूमिका निष्पक्ष रूप से सामने लाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

अनियमितताएं हुई हैं, जांच में और खुलासे होंगे – श्याम सुंदर शर्मा

भोपाल। सड़क परिवहन निगम में सामने आए वेतन घोटाले के मामले में सड़क परिवहन कर्मचारी अधिकारी उत्थान समिति के अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं और आने वाली जांच में कई और बड़े खुलासे होने की संभावना है। शर्मा के अनुसार, मुख्यालय भोपाल और जबलपुर में भी इस तरह की गड़बड़ियां हुई हैं, जो जांच के दौरान सामने आएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह बनाकर योजनाबद्ध तरीके से किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे हैं। इन लोगों ने अपने परिचितों और करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अवैधानिक दस्तावेज तैयार कराए और ऐसे व्यक्तियों के खातों में निगम के खाते से धनराशि डलवाई, जो कभी सड़क परिवहन निगम में कार्यरत ही नहीं रहे।श्याम सुंदर शर्मा ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके।

श्याम सुंदर शर्मा
अध्यक्ष, सड़क परिवहन कर्मचारी अधिकारी उत्थान समिति, भोपाल (मध्य प्रदेश)
मो. 8989542896

2029 से ही लागू होगा महिला आरक्षण

● लोकसभा की सीटें 850 होंगी, विधानसभा का भी बदलेगा गणित

जनगणना-परिसीमन से तय होंगी लोकसभा व विधानसभा की सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं। 850 में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने

की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) पेश किया है।

क्या सरकार लोकसभा में बिल पास करा पाएगी

संविधान संशोधन पारित कराने के लिए सरकार को बैक-चैनल बातचीत करनी होगी। भारतीय संविधान के ऑर्टिकल 368 के तहत, संविधान में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी होता है। कुल सदस्यों का बहुमत (50 फीसदी से अधिक) और उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत। लोकसभा की वर्तमान संख्या 540 (कुल 543 में से) है। 3 सीटें खाली हैं। यदि सभी सांसद उपस्थित होकर मतदान करते हैं, तो कम से कम 360 सांसदों (दो तिहाई) को इसके पक्ष में वोट देना होगा।

#MP_बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया

मध्य प्रदेश की टॉपर खुशी राय, कोलार सर्वधर्म बी सेक्टर में रहती है, विधायक रामेश्वर शर्मा और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने खुशी को फोन करके बधाई दी और परिजनों को भी शुभकामनाएं दी।

नजीराबाद अस्पताल में बड़ी लापरवाही

मृत बच्चे के बावजूद नर्स करती रही 'इलाज'

अस्पताल की बदहाली और ग्रामीणों का आक्रोश

महेश शर्मा

नजीराबाद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। स्टाफ नर्स कंचन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए ग्राम बंसी के निवासी ओमप्रकाश अहिरवार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। हालत बिगड़ने पर जब 7 अप्रैल 2026 को सोना बाई को भोपाल के सुल्तानिया अस्पताल ले जाया गया, तो वहां मृत बच्चा पैदा हुआ। डॉक्टरों के अनुसार, महिला की जान पर बन आई थी, जिसे बचाने के लिए पति को तत्काल तीन यूनिट रक्त देना पड़ा। पीड़ित का कहना है, 'अगर मेरी पत्नी को कुछ हो जाता, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता? क्या प्रशासन मुझे मेरी पत्नी वापस लाकर देता।

ग्रामीणों का आरोप है कि नजीराबाद अस्पताल में डॉक्टर कभी मौजूद नहीं रहते, रात्रि में भी नहीं। डिलीवरी वाली महिलाओं को 3 दिन नहीं रोका जाता। न भोजन मिलता है, न चाय, न बिस्किट और न लड्डू मिलते हैं। सुरेश ऑपरेटर भी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भी रुपए लिए जाते हैं। पूरा अस्पताल अप्रशिक्षित स्टाफ या नर्सों के भरोसे छोड़ दिया गया है। ओमप्रकाश और ग्राम के निवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि आरोपी स्टाफ नर्स कंचन का तत्काल स्थानांतरण और उन पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो ग्रामवासी 'चक्का जाम' आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

क्या है पूरा मामला?

पीड़ित ओमप्रकाश अहिरवार ने बताया कि वह अपनी गर्भवती पत्नी सोना बाई का इलाज पिछले कई दिनों से नजीराबाद अस्पताल की स्टाफ नर्स कंचन से करा रहे थे इलाज आरोप है कि गर्भ में पल रहे बच्चे की मृत्यु कई दिन पहले ही हो चुकी थी और बच्चा उल्टा था, लेकिन लगातार चेकअप करने के बावजूद स्टाफ नर्स कंचन ने इसकी जानकारी परिवार को नहीं दी।

विधायक की बेटी ने युवक को सरेआम जूतों से पीटा, CCTV वीडियो वायरल

सागर। देवरी से भाजपा विधायक बृज बिहारी पटरिया की बेटी प्रियंका पटरिया द्वारा एक युवक की सरेआम पिटाई का मामला सामने आया है। पारिवारिक विवाद के बीच विधायक की बेटी ने अपने ही चचेरे भाई के कर्मचारी पर जूतों की बौछार कर दी। पूरी घटना ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि बहस के दौरान प्रियंका पटरिया ने करीब 20 सेकंड में युवक को कई बार जूतों से पीटा। घटना सोमवार 13 अप्रैल की बताई जा रही है। पीड़ित राजेश शर्मा ने थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि वह सोमवार को बैंक गया था। वहीं एक व्यक्ति ने उसे सूचना दी कि विधायक की बेटी उसे बाहर बुला रही है। जैसे ही वह बैंक के बाहर पहुंचा, प्रियंका ने पहले गाली-गलौज की और फिर जूता उतारकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार, बाद में उसे जानकारी दी गई कि उस पर विधायक के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है।

संपत्ति विवाद से जुड़ा मामला - जानकारी के मुताबिक विधायक बृज बिहारी पटरिया और उनके भतीजे विनीत पटरिया के बीच पैतृक संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। राजेश शर्मा, विनीत पटरिया का मुनीम है और उनकी निजी कार भी चलाता है। इसी पारिवारिक विवाद के चलते यह घटना सामने आई है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष बिजौरा गांव में भी प्रियंका और विनीत के बीच विवाद हुआ था, जिसमें राजेश शर्मा का नाम एफआईआर में शामिल हुआ था।

प्रियंका पटरिया का पक्ष

प्रियंका पटरिया ने अपने बचाव में कहा, 'मैंने राजेश शर्मा को मारा है, क्योंकि वह किसी के इशारे पर मेरा लगातार पीछा कर रहा था और मुझे गाड़ी से कट मारता था। मुझे अपनी जान का खतरा था। पहले भी मेरे साथ मारपीट की घटना हो चुकी है, जिसमें राजेश शर्मा शामिल था। '

पुलिस जांच जारी - पुलिस के अनुसार मामले की शिकायत प्राप्त हो गई है और जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार समीर चौगांवकर की फेसबुक वॉल से साभार

गंगा बिहार से होकर बंगाल में जाती है। बिहार में दो दशक से ज्यादा सत्ता में भाजपा भागीदार रही,लेकिन कभी भी इस स्थिति में नहीं पहुची की अपना मुख्यमंत्री बना ले। उप मुख्यमंत्री की लक्ष्मण रेखा नीतीश ने कभी भी बीजेपी को लांघने नहीं दी।बीजेपी को रोकने के लिए नीतीश ने अपने घोर विरोधी लालू प्रसाद यादव से समझौता करने से भी परहेज नहीं किया,उसी नीतीश ने अब खुद बीजेपी के लिए कुर्सी छोड़ दी है। बिहार में अब बीजेपी बड़ा भाई बन गई है।अब तय है बिहार में कभी जदयू का मुख्यमंत्री नहीं बन सकेगा। बिहार मे जदयू के मुरझाने की या कहे डाउनफॉल शुरू हो गया है।जदयू की यह ढलान कहा जाकर रूकेगी,अभी कहा नहीं जा सकता। नीतीश के बेटे निशांत भी अब जदयू को नीतीश के दौर की ताकत नहीं दे सकते।नीतीश अपने आंखों के सामने अपनी पार्टी को बिहार में अप्रासंगिक होते देखेंगे। अगले 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद 2030 के विधानसभा तक जदयू में भारी टूट होगी और एक बड़ा तबका भाजपा के साथ चला जाएगा। बिहार से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नीतीन नवीन से किसी और राज्य में तो नहीं,लेकिन कम से कम उनके गृह राज्य बिहार में उनसे यह उम्मीद तो कि जा सकती है कि बिहार में वह बिना किसी सहयोगी के भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की स्थिति में पहुंचा दे। बिहार के बाद अब बंगाल की बारी है। बंगाल में भाजपा अब और इंतजार नहीं करना चाहती है।2026 में ही भाजपा अपना मुख्यमंत्री बंगाल में देखना चाहती है। बिहार,बंगाल के बाद भाजपा की नजर झारखंड पर होगी।इस बात की पूरी संभावना है कि अगले छह माह में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन खुद कांग्रेस का साथ छोड़कर एनडीए का दामन थाम लें।

जय भीम के नारों से गूंजा सीहोर, सेवा और संकल्प के साथ मनी बाबा साहेब की जयंती

सीहोर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित पूरे क्षेत्र में भारी उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। शहर के वार्ड क्रमांक-11 गंज क्षेत्र स्थित अंबेडकर पार्क सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों के मुख्य केंद्र रहे। इस अवसर पर जहां नगर सरकार ने विकास कार्यों की सौगात दी, वहीं विभिन्न संगठनों ने सेवा कार्यों के माध्यम से बाबा साहेब को नमन किया। वार्ड 11 स्थित अंबेडकर पार्क में नगर पालिका द्वारा 2 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित प्रवेश द्वार का भव्य लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने फीता काटकर इसे जनता को समर्पित किया। उन्होंने बाबा साहेब को सामाजिक न्याय का वैश्विक प्रतीक बताते हुए कहा कि नगर पालिका शहर के सर्वांगीण विकास और महापुरुषों के सम्मान स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति और पार्षद लोकेंद्र वर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

- **कन्याभोज और स्टेशनरी वितरण** – इस वर्ष जयंती पर समरसता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। फ्रीगंज निवासी आशा सूर्यवंशी सहित कई परिवारों ने अपने घरों में कन्याभोज आयोजित कर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी। वहीं सेवादल कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने 100 से अधिक बच्चों को कॉपी, पेन और कंपास बॉक्स वितरित किए। उन्होंने बाबा साहेब के शिक्षित बनो, संगठित रहो के संदेश पर जोर दिया।
- **विभिन्न संगठनों ने दी श्रद्धांजलि** – सुदामा नगर गंज में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष चेतन वास्तवार की अध्यक्षता में माल्यार्पण कार्यक्रम हुआ। वहीं भाजपा नगर मंडल की ओर से मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेता महेश दयाल चौरसिया, घनश्याम यादव, विवेक राठौर, सुशील ताम्रकार और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संविधान की रक्षा और सामाजिक समानता का संकल्प लिया।

श्री लक्ष्मीनारायण सवारी महाकुंभ कलश यात्रा को लेकर तैयारियां

गुरु के बनाए नियमों का पालन करे, सनातन को मजबूत करों-ज्ञानी गगनप्रति सिंह

सीहोर। शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के तत्वाधान में आगामी 25 अप्रैल को आयोजित होने वाली श्री लक्ष्मीनारायण सवारी महाकुंभ कलश यात्रा को लेकर आगामी दिनों में सिख समाज की ओर से आने वाले निहंग सिंह की व्यवस्था को लेकर ज्ञानी गगनप्रति सिंह ने मंगलवार को मंदिर पहुंचे और इस मौके पर उन्होंने कहाकि सनातन को मजबूत करने के लिए सिख समाज का सदैव समर्पण रहा है। इस मौके पर मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय, संत माधव दास महाराज अधिकारी, कार्यक्रम प्रभारी सन्नी सरदार, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास, संस्कार मंच के संरक्षक मनोज दीक्षित मामा सहित अन्य ने ज्ञानी श्री सिंह का स्वागत सम्मान करते हुए सिख समाज को बैसाखी पर्व की बधाई दी।उन्होंने कहाकि बैसाखी का दिन हमें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा अपने परिवार और अनुयायियों के बलिदान को याद करने का संदेश देता है। बैसाखी का दिन हमें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा अपने परिवार और अनुयायियों के बलिदान को याद करने का संदेश देता है, 1699 को सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने सिखों को एकजुट किया और जात-पात के भेदभाव को मिटाकर पंज प्यारे पांच प्यारे के माध्यम से खालसा को एक नई पहचान दी। यह रबी की फसल के पककर तैयार होने की खुशी में मनाया जाता है। किसान अपनी मेहनत की कमाई को पाकर ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करते हैं और समृद्धि की कामना करते हैं। गुरु गोबिंदसिंहजी ने पंथ की स्थापना के समय कुछ नियम भी बनाए थे जो हर गुरु के सिख का फर्ज है कि वो गुरु के बनाए नियमों का पालन करे।

ऐतिहासिक सवारी की तैयारियां तेज – कार्यक्रम प्रभारी सन्नी सरदार ने बताया कि शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के तत्वाधान में होने वाली आगामी 25 अप्रैल को भव्य श्री लक्ष्मीनारायण सवारी महाकुंभ कलश यात्रा इस बार महाकाल-पुरी की तर्ज पर निकाली जा रही है। समिति के द्वारा घर-घर जानकारी 151 पवित्र नदियों का जल वितरित किया जा रहा है।

भक्ति हनुमान जी और मित्रता सुदामा की भांति करना चाहिए

अनेक रूपों में बेटियों का धर्मभ्रष्ट करने के लिए घूम रहे है कालनेमी

महाप्रसादी के उपरांत श्रीमद् भागवत कथा का मंगलमय समापन

पंडित उपाध्याय

सीहोर। हनुमान जी ने जिस प्रकार भगवान श्री राम जी की भक्ति की, सुदामा जी ने श्रीकृष्ण से मित्रता निभाई हमें भी भगवान की भक्ति हनुमान जी और मित्रता धर्म सुदामा जी की तरह होना चाहिए। बेटियों का धर्म भ्रष्ट करने के लिए अनेक रूपों में कालनेमी में घूम रहे हैं। बेटियों को सचेत सतर्क रहने की जरूरत है। उक्त बात बुधवार को भागवत कथा के समापन दिवस पर श्रद्धालुओं के मध्य पंडित चेतन उपाध्याय ने कही। मोती बाबा मंदिर के पास आयोजित कथा में उपाध्याय ने श्री कृष्णा और सुदामा की भक्ति और मित्रता प्रसंग सुनाया तो वही श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह कथा को आधार बनाते हुए कहा कि बेटी का विवाह माता पिता रिश्तेदार अगर भूलवश दुर्जन दुष्ट से कर रह रहे है और यह बात बेटी को मालूम है तो बेटी को विवाह से इंकार कर देना चाहिए देवी रूकमणी का विवाह उनका भाई रूकमी शिशुपाल से कराना चाहता था लेकिन शिशुपाल देवी रूकमणी को स्वीकार नहीं था देवी रूकमणी ने इस विवाह का बहिष्कार कर दिया था और भगवान श्रीकृणा से विवाह किया था। सनातनी बेटियों को वर्तमान में सचेत रहने की जरूरत है क्योंकी विधर्मी अनेक रूपों में हिन्दू बेटियों का धर्मभ्रष्ट करने के लिए घूम रहे है। श्रीमद भागवत कथा के मुख्य यजमान गोवर्धन गुडडी कुशवाह और आशीष दीपिका कुशवाह ने पंडित प्रदीप पाठक के सानिध्य में विधिवत भगवत गीता और समस्त देवी देवताओं की पूजा अर्चना की और सभी के कल्याण की भगवान से प्रार्थना कर श्रद्धालुओं के साथ श्रीमद भागवत कथा का श्रवण किया। कथा कार्यक्रम में संत उद्धावदास महाराज,पंडित नरेश तिवारी एवं विशिष्टजनों का आगमन हुआ। पंडित उपाध्याय ने भगवान श्री कृष्णा के मधुर भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति से विभोर कर दिया। मधुर भजनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ नाचते दिखाई दिए। मुख्य यजमान और श्रद्धालुओं के द्वारा पंडित प्रदीप पाठक भगवत गीता और समस्त देवी देवताओं की पूजा अर्चना की गई प्रसादी वितरण के बाद सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का मंगल में समापन किया गया। श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल के श्रद्धालु भी कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्य यजमान आशीष दीपिका कुशवाहा ने सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

नगर परिषद कुंभराजः सीएमओ ने ली प्रभारियों की बैठक, पेयजल आपूर्ति और सुगम यातायात पर दिया जोर

कुंभराज। नगर परिषद कुंभराज के प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी (CMO) श्री वीरेन्द्र चक्रवर्ती द्वारा आज परिषद कार्यालय में समस्त शाखा प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली गई। बैठक का मुख्य केंद्र आगामी ग्रीष्मकाल में शहर की जल व्यवस्था और यातायात सुधारीकरण रहा।

जल प्रदाय को लेकर सख्त निर्देश

बैठक के दौरान श्री चक्रवर्ती ने जल प्रदाय विभाग के कर्मचारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि:

- ग्रीष्मकाल में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित समय पर सुनिश्चित की जाए।
- पेयजल से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या प्राप्त होने पर उसका त्वरित निराकरण किया जाए ताकि आमजन को परेशानी न हो।

बाजार व्यवस्था और अतिक्रमण पर कार्रवाई – बैठक के उपरांत सीएमओ ने मुख्य बाजार का निरीक्षण किया। डिवाइडर के दोनों ओर फल एवं सब्जी के ठेले लगने के कारण यातायात बाधित होने की समस्या को देखते हुए उन्होंने संबंधित ठेले वालों को कड़ी हिदायत दी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ठेले सड़क से हटाकर व्यवस्थित रूप से लगाए जाएं, ताकि आवागमन सुगम बना रहे और जाम की स्थिति निर्मित न हो।

फिल्टर प्लांट का निरीक्षण – व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी स्वयं फिल्टर प्लांट पहुंचे। वहाँ उन्होंने फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली और सभी मोटरों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के संबंधित कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ उपस्थित रहा। सीएमओ ने मशीनों के उचित रखरखाव और सुचारू संचालन के निर्देश दिए। नगर परिषद कुंभराज प्रशासन जनता की मूलभूत सुविधाओं और शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

शहरी क्षेत्र की सड़कों के चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाएं- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन, (निप्र)। सिंहस्थ महापर्व 2028 के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत मंगलवार दोपहर को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र की सड़कों के चौड़ीकरण के प्रचलित कार्यों का मौके पर पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया और कार्य प्रगति की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में तेजी लाएं। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के बाद कार्य प्रभावित नही हो इसके लिए आधारभूत कार्य पूर्ण कर लें। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप कार्य गुणवत्ता पूर्ण और समय सीमा में पूर्ण हो इसके लिए प्रशासनिक अधिकारी प्रतिदिन निर्माण कार्यों की प्रगति देखने मौके पर पहुंच रहे है।

संघ की शाखा में डॉ. अम्बेडकर ने किया सामाजिक समरसता का अनुभव : अशोक पांडेय

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और डॉ. अम्बेडकर' विषय पर विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश में विशेष व्याख्यान का आयोजन

भोपाल। विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश की ओर से सामाजिक समरसता के अग्रदूत भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और डॉ. अंबेडकर' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अंबेडकर के व्यक्तित्व और कृतित्व को व्यापक परिप्रेक्ष्य में रखते हुए उनके विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यभारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पांडे ने ऐतिहासिक संदर्भों के साथ अपने विचार रखते हुए बताया कि 2 जनवरी 1940 को सतारा के कराड में डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में गए थे और वहां उन्होंने सामाजिक समरसता का अनुभव किया। 'केसरी' समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के अनुसार, डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि कुछ बातों से असहमति हो सकती है लेकिन संघ के काम की मैं सराहना करता हूँ। पुणे के संघ शिक्षा वर्ग में भी डॉ आंबेडकर शामिल हुए। वहां उन्होंने देखा कि सभी स्वयंसेवक सामाजिक समरसता के साथ रह रहे हैं। 1949 में संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्रीगुरुजी और डॉ. अम्बेडकर की भेंट का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने 1920 में ही शोषणमुक्त समाज की अवधारणा प्रस्तुत कर दी थी। पांडे जी ने स्पष्ट किया कि कानून के माध्यम से समता स्थापित की जा सकती है,

लेकिन समरसता केवल आत्मीयता और बंधुत्व के भाव से ही संभव है। उन्होंने आगे कहा कि 1963 में माधव सदाशिव गोलवलकर के मार्गदर्शन में समरसता का जो संदेश समाज के सामने आया और जिसे आगे बालासाहब देवरस ने विस्तार दिया, उसकी प्रेरणा डॉ. अंबेडकर के विचारों से ही जुड़ी हुई है। 'मंदिर, कुआं और श्मशान' जैसे प्रतीकों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक एकात्मता के भाव को समझाया और कहा कि यदि समाज एकत्व की दिशा में आगे बढ़े, तो व्यापक सामाजिक कल्याण संभव है। मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व कुलाधिपति तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रकाश बरतूनिया ने कहा कि यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि अंबेडकर का जन्म इसी भूमि पर हुआ। उन्होंने बताया कि अंबेडकर ने विश्व के अनेक संविधानों का अध्ययन किया और भारतीय इतिहास एवं दर्शन को आत्मसात किया, जिसके परिणामस्वरूप उनके विचारों में भारतीय जीवन मूल्यों की स्पष्ट झलक मिलती है। उन्होंने आरक्षण, समरसता, संविधान निर्माण, धर्म और राष्ट्र जैसे विषयों पर अंबेडकर के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके संबंधों को लेकर फैले भ्रम को दूर करने के लिए धनंजय कीर और दत्तोपंत ठेंगड़ी के लेखन को पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के सचिव लोकेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर को किसी एक विचारधारा या वर्ग विशेष तक सीमित करना उनके व्यक्तित्व के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि डॉ अंबेडकर एक बहुआयामी चिंतक थे, जिन्होंने धर्म, अर्थव्यवस्था, इस्लाम, कम्युनिज्म और राष्ट्र जैसे विविध विषयों पर गहन अध्ययन किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संबंधों को योजनाबद्ध तरीके से नजरअंदाज किया गया है, जिसे समझने के लिए दत्तोपंत ठेंगड़ी के साहित्य का अध्ययन महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ऐसे चिंतक थे जिन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आर्य इसी भूमि के मूल निवासी हैं। उन्होंने अंबेडकर को 'युगनायक' बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने प्रारंभ से ही उनके विचारों को आत्मसात किया है। कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर साहित्य का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा, जहां उपस्थित लोगों ने उनके विभिन्न ग्रंथों का अवलोकन किया। साथ ही 'हिंदू गर्जना' के गो-विशेषांक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन सृष्टि झा ने किया और आभार प्रदर्शन विश्व संवाद केंद्र न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्थापक न्यासी लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी जी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

घरेलू गैस सिलेंडर की जमकर कालाबाजारी

ग्राहकों के घर पर नही पहुँचा सिलिंडर, हो गया डिलीवर

भोपाल, नप्र। ईरान व इजराईल और अमेरिका युद्ध के कारण देश गैस की कमी आ गयी है। इसके चलते जरूरत मात्रा में ही आमजन को घरेलू गैस सिलिंडर उपलब्ध करवाये जा रहे। वही व्यवसायिक प्रतिष्ठानों वरूल दुकानदारों को सीमित मात्रा में ही कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। परंतु गैस एजेंसी संचालकों व उनके कर्मचारियों द्वारा इसे कालाबाजारी में बदल दिया गया है। ग्राहकों के घर पर नही पहुँचा सिलिंडर और हो गया डिलीवर। वह सिलिंडर एजेंसी संचालकों व कर्मचारियों की मिली भगत से चौक चौराहे सड़को पर लगे खान पान ठेलों और प्रतिष्ठानों में बिक गया। ऐसा ही एक मामला सामने आया है करोंद के बड़वाई क्षेत्र से जहां सराह एच पी गैस एजेंसी स्थित पुल पोकता के ग्राहक क्रमांक 629932 ग्राहक नाम किशन सिंह मीना द्वारा अपने घर मे गैस खत्म होने पर 06 अप्रैल 2026 को बुकिंग की। उन्हें 06 अप्रैल को ही सिलिंडर दिए जाने मैसेज प्राप्त हुआ। उनका 06 अप्रैल 2026 को ही 918 रुपये 50 पैसे का बिल भी कट गया। परन्तु उनके द्वारा लगातार फ़ोन करने पर कहा गया कल मिल जाएगा। परसो मिल जाएगा। शिकायत कर्ता ने बताया कि उन्हें बड़वाई स्थित गैस एजेंसी के अतिरिक्त कार्यालय से डिलीवरी होती थी। जब उन्हें सिलिंडर नही मिला तो वह बड़वाई गैस एजेंसी पहुँचे। जहाँ उन्हें गैस एजेंसी के संचालक मिल गए उन्होंने उन्हें सारी बात बताई। गैस एजेंसी संचालक ने उन्हें शाम तक गैस उपलब्ध होने का आश्वासन दे दिया परंतु फिर भी उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिला इसके बाद वह 14 अप्रैल 2026 को गैस एजेंसी के अतिरिक्त कार्यालय बड़वाई करोद पहुंचे। जहां गैस की टंकियां लोगों को बांटी जा रही थी। तो उन्होंने अपना बिल दिखा कहा कि उनकी टंकी भी उन्हें दे दी जाए। परंतु गैस एजेंसी के कर्मचारी बबलू मीणा द्वारा उनसे कहा गया कि उनकी टंकी अंजुम भाई लेकर चले गए हैं। जो गैस एजेंसी के कर्मचारी हैं वहीं उन्हें सिलेंडर उपलब्ध करवाएंगे।

चौक चौराहे सड़कों पर लगे खान पान ठेलों और प्रतिष्ठानों में बिक गया

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत: शिकायतकर्ता ने गैस एजेंसी से सिलेंडर नहीं मिलने पर इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की, जिसका क्रमांक है 37757864। साथ ही उन्होंने इसकी शिकायत खाद विभाग भोपाल में पदस्थ श्री भार्गव से भी की। परंतु उन्हें रात तक किसी प्रकार का कोई सिलेंडर प्राप्त नहीं हुआ। साथ ही अंजुम नामक गैस एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा उनका फोन उठाना भी बंद कर दिया गया जो पहले उनसे कह रहा था कि वह आधे घंटे में उनका सिलेंडर लेकर आ रहा है।

3 से 4 दिन भटकता है ग्राहक, तब तक वह सिलिंडर बिकता रहता: ग्राहकों का बुक हुआ जब उन्हें 1 या 2 दिन या ज्यादा समय तक सिलिंडर नही मिलता है। तो वह एजेंसी जाते है। जहाँ पता लगता है। उनका सिलिंडर तो डिलीवर हो चुका। जब वह ज्यादा शोर शराबा करते है तो उन्हें शाम तक सिलिंडर देने आश्वासन दिया जाता है और फिर उन्हें मिल भी जाता है। इस प्रकिया में 3 से 4 या ज्यादा दिन लग जाते है। जब तक ग्राहक का सिलिंडर दुकानों पर चलता रहता है।

नि:शुल्क स्कूल बैग वितरण, दिग्विजय सिंह सहित कई गणमान्य रहे मौजूद

भोपाल। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पिपलानी वार्ड 63 स्थित अंबेडकर पार्क (100 क्वार्टर) में नि:शुल्क स्कूल बैग वितरण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कुणाल गजभिये के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह उपस्थित रहे। साथ ही समिति के संरक्षक एवं गोविंदपुरा विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र साहू झूमर वाला भी विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजक कुणाल गजभिये ने बताया कि उनका उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग देना है, ताकि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की सराहना की।

राजस्थान की गर्म हवाओं ने बढ़ाई म.प्र. की बेचैनी, 14 जिलों में पारा 40 के पार

भोपाल, नप्र। प्रदेश में मौसम के शुष्क बने रहने से गर्मी तेवर दिखने लगी है। राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में तापमान तेजी से बढ़ रहा है । सोमवार को राजधानी सहित पूरे प्रदेश में हालात ऐसे रहे कि सुबह आठ बजे ही दोपहर जैसी गर्मी महसूस होने लगी। गर्म लपटों की वजह से शाम छह बजे तक नागरिक बेचैन रहे। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 14 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान नर्मदापुरम में 42.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पश्चिमी हिस्सों में औसतन 3.2 डिग्री और पूर्वी क्षेत्रों में करीब 4.8 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पचमढ़ी को छोड़कर लगभग सभी जिलों में तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच रहा। मौसम विज्ञानी ने बताया कि साफ आसमान और तेज धूप के कारण सूरज की किरणें सीधे जमीन पर पड़ रही हैं, जिससे गर्मी और बढ़ रही है। 16 अप्रैल से प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में लू चलने की संभावना जताई है। प्रदेश में अगले 24 घंटों के दौरान तापमान में दो से चार डिग्री बढ़ने के आसार हैं।

कल से इन जिलों में चलेगी लू : प्रदेश के रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, पाढुर्मा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी में 16 अप्रैल से लू चलेगी। मौसम केंद्र ने उक्त जिलों में लू के चलने की चेतावनी जारी की है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

भोपाल, नप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा जिले में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र अंतिम रूप देकर टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाए, ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से शुरू हो सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा में कमिश्नर बंगला से ढेकहा तिराहे तक 700 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित फ्लाइओवर निर्माण कार्य पर विशेष चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह फ्लाइओवर वर्तमान यातायात दबाव को कम करने के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक एवं दूरदर्शी ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली विकसित करेगा। इसके निर्माण से शहर में सुगम एवं व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित होगा तथा यातायात बाधाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने लक्ष्मण बाग से कुठुलिया मार्ग में बिछिया नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कुठुलिया मार्ग का विकास लक्ष्मण बाग सहित सर?कृत विश?वविद्यालय तक सहज एवं सुगम पहुंच का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों को आवागमन में विशेष सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने रिवर फ्रंट के सौंदर्यीकरण कार्य को भी परियोजना में शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति एवं कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की।

भाजपा का बड़ा फैसला: नारी वंदन को मिशन-2029 के लिए सामाजिक क्रांति के रूप में जनता के बीच ले

भोपाल, नप्र। प्रदेश भाजपा कोर ग्रुप की मंगलवार रात हुई बैठक में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए सरकार और संगठन मिलकर एक बड़ा अभियान चलाएंगे। पार्टी मिशन 2029 के लिए बड़ी सामाजिक क्रांति के रूप में इसे प्रचारित करेगी। मुख्यमंत्री आवास में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संयुक्त रूप से रणनीति साझा की।

भाजपा का मानना है कि महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान गेम-चेंजर साबित होगा। इसे केवल एक कानूनी उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति के रूप में जनता के बीच ले जाया जाएगा। सरकार अपनी योजनाओं

के जरिए और संगठन अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के जरिए हर घर तक यह संदेश पहुंचाएगा कि भाजपा ही महिलाओं की सच्ची हितैषी है। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता के जरिए भेदभाव दूर करने का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा। कोर ग्रुप की यह पहली बैठक थी।

इससे पहले आठ सदस्यीय छोटी टोली संगठन ने सत्ता-संगठन में समन्वय के लिए बनाई गई थी। इसके बाद 20 सदस्यों का कोर ग्रुप बनाया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, प्रदेश प्रभारी डा महेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मंत्री राकेश सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल एवं अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व लोकसभा सदस्य विष्णुदत्त शर्मा, मंत्री संपतिया उइके, लता वानखेड़े, डा नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया और फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिहार में भाजपा विधायक दल की बैठक के चलते इसमें शामिल नहीं हो सके।

साझा अभियान के प्रमुख कार्यक्रम

- **जन-जागरण पखवाड़ा :** मध्य प्रदेश में 25 अप्रैल 2026 तक एक विशेष पखवाड़ा मनाया जाएगा, जिसमें महिलाओं को उनके राजनीतिक अधिकारों जैसे 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा।
- **नारी शक्ति पदयात्रा :** आगामी 15 और 16 अप्रैल को प्रदेश के हर लोकसभा क्षेत्र में नारी शक्ति पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही महिला कार्यकर्ताओं द्वारा बाइक रैलियों का आयोजन भी किया जाएगा।
- **सम्मेलन और टाउन हाल :** प्रदेश भर में टाउन हॉल कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं (जैसे लाड़ली बहना योजना) और आरक्षण कानून के लाभ बताए जाएंगे। संगठनात्मक **तालमेल :** सभी मंत्री और पार्टी पदाधिकारी जमीनी स्तर पर जाकर महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे।
- **मिस्ड काल अभियान :** अभियान के समर्थन में जनमत जुटाने के लिए एक मिस्ड काल नंबर भी जारी किया गया है, जिसके जरिए लोग इस कानून के प्रति अपनी सहमति दर्ज करा सकते हैं।

प्रशिक्षण महा अभियान की भी समीक्षा की : कोर ग्रुप की बैठक में भाजपा द्वारा चलाए गए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान की भी समीक्षा की गई। मंडल स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हो चुके हैं, अब जिले और प्रदेश स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। कहां कितना काम हुआ इसकी रिपोर्ट कोर ग्रुप की बैठक में रखी गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

महिलाओं ने घोल दी महानगरों में मिठास

ग्राम पिपल्या कराड़िया 'महाराणा समूह' बना स्व-रोजगार की मिसाल, आत्मनिर्भरता का रचा मॉडल

भोपाल, नप्र। प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण आजीविका मिशन सक्रियता से कार्य कर रहा है। मिशन की प्रभावी पहल से मंदसौर जिले के ग्राम पिपल्या कराड़िया की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक कहानी लिखी है। 'महाराणा स्व-सहायता समूह' आज न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहा है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर रहा है। समूह की महिलाएं प्राकृतिक और स्वादिष्ट जूस एवं शेक निर्माण में दक्ष हो चुकी हैं। इनके उत्पादों में लेमन, जीरा, जिंजर लेमन, कच्ची केरी, आंवला जूस के साथ-साथ मिल्क शेक, बादाम शेक, राजभोग और शाही गुलाब शेक शामिल हैं, जो ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा हैं। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मंदसौर जिले के इस समूह को आगे बढ़ने के लिए वित्तीय सहायता के रूप में 5 लाख का बैंक ऋण, डेढ़ लाख की सामुदायिक निवेश निधि तथा 10 हजार की चक्रीय राशि प्रदान की गई। इस सहयोग ने समूह को अपने व्यवसाय को मजबूती देने और विस्तार करने में महत्वपूर्ण आधार प्रदान किया।

की गूंज: आजीविका मिशन के मार्गदर्शन और सहयोग से समूह ने स्थानीय स्तर से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उज्जैन, भोपाल, दिल्ली, नोएडा, सूरत, बड़ौदा, चंडीगढ़ और गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में आयोजित मेलों में सहभागिता कर समूह ने अपने उत्पादों की विशेष पहचान स्थापित की है। महाराणा स्वसहायता समूह' प्रति माह 25 हजार से 30 हजार की शुद्ध आय अर्जित कर रहा है, जिससे वार्षिक आय लगभग 4 लाख तक पहुंच रही है। यह समूह अपनी 10 महिला सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, वहीं दस अन्य लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है। 'महाराणा समूह' आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरा है, जो यह संदेश देता है कि सही मार्गदर्शन और शासन के सहयोग से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

दिल्ली और चंडीगढ़ तक पहुँची उत्पादों की गूंज: आजीविका मिशन के मार्गदर्शन और सहयोग से समूह ने स्थानीय स्तर से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उज्जैन, भोपाल, दिल्ली, नोएडा, सूरत, बड़ौदा, चंडीगढ़ और गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में आयोजित मेलों में सहभागिता कर समूह ने अपने उत्पादों की विशेष पहचान स्थापित की है। महाराणा स्वसहायता समूह' प्रति माह 25 हजार से 30 हजार की शुद्ध आय अर्जित कर रहा है, जिससे वार्षिक आय लगभग 4 लाख तक पहुंच रही है। यह समूह अपनी 10 महिला सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, वहीं दस अन्य लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है। 'महाराणा समूह' आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरा है, जो यह संदेश देता है कि सही मार्गदर्शन और शासन के सहयोग से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

प्रदेश में इन प्रकल्पों में आगे हैं महिलाएं : मध्यप्रदेश में दीदी कैफे संचालन, होम स्टे संचालन, अनेक लघु उद्योगों और व्यवसायों के संचालन के साथ ही टोल टैक्स पर दायित्व निभाकर महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं।

प्रदेश के 4400 से ज्यादा युवाओं ने चुनी है इंटर्नशिप

नौकरी की गारंटी नहीं, फिर भी टॉप कंपनियों के लायक बनने की होड़

भोपाल । मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना न केवल हुनर संवारने का जरिया बनी है, बल्कि अब यह आर्थिक रूप से और भी आकर्षक हो गई है। योजना में नौकरी की गारंटी नहीं है, बावजूद इसके दिग्गज कंपनियों में अनुभव पाने के लिए युवाओं में गजब का उत्साह है। दो चरणों में राज्य के 4400 से अधिक युवाओं ने इसमें अपनी जगह बनाई है। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 से इंटर्न्स की मासिक सहायता राशि में 80त्न का भारी इजाफा किया है। अब तक मिल रहे 5 हजार रुपये के स्टाइपेंड को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। इसमें 8,100 रुपये सरकार और 900 रुपये कंपनी देगी। इसके अलावा, जॉइनिंग के समय आकस्मिक खर्चों के लिए 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता अलग से मिलेगी। हर इंटर्न को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा का सुरक्षा कवच भी मिल रहा है, जिसका प्रीमियम सरकार वहन करेगी।

पीडब्ल्यूडी ठेकों में धांधली : एमपीआरडीसी के अधिकारियों की नई शर्तों के साथ दोबारा प्रक्रिया होगी

भोपाल/इंदौर। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंदौर और सागर सेतु संभाग में टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी सामने आई है। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि नियमों में बदलाव कर ठेकेदारों का चयन किया गया। इंदौर में 30 करोड़ का टेंडर ऐसी फर्म को दिया गया, जिसके पास जरूरी मशीनें नहीं थीं। वहीं सागर में अधूरा काम पूरा बताने वाली कंपनी को ठेका दे दिया गया।

दोनों मामलों की जांच एमपीआरडीसी के अधिकारियों की समिति ने की। मार्च 2026 में रिपोर्ट सौंपी गई। इसमें इंदौर और सागर के एक्जीक्यूटिव इंजीनियरों को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की सिफारिश की गई है। साथ ही दोनों टेंडर निरस्त कर नई शर्तों के साथ दोबारा प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

पहला मामला- 30 करोड़ का टेंडर नियमों के खिलाफ दिया : खंडवा के ओंकारेश्वर में कावेरी नदी पर पैदल पुल निर्माण का काम 30 करोड़ रुपए का था। इसमें तीन कंपनियों ने हिस्सा लिया। तकनीकी बिड के दौरान गुजरात और हरियाणा की कंपनियों को बिना क्लेरिफिकेशन मांगे अपात्र कर दिया गया।

भोपाल की मेसर्स राजेश शर्मा इंफ्रास्ट्रक्चर को योग्य घोषित कर दिया गया। जबकि फर्म के पास 40 टन क्रेन और बूम प्लेसर जैसे जरूरी उपकरण नहीं थे। सॉइल कम्पेक्टर भी तय सीमा से पुराना था। इसके बावजूद टेंडर दे दिया गया।

दूसरा मामला- अधूरा काम पूरा दिखाकर मिला ठेका : सागर सेतु संभाग के 7.87 करोड़ का काम रामराजा कंस्ट्रक्शन को दिया गया। यह काम एक्जीक्यूटिव इंजीनियर नवीन मल्होत्रा देख रहे थे। इस काम के लिए 4 फर्म आई थीं। इनमें से दो को शर्त पूरी नहीं करने के कारण तकनीकी बिड में शामिल नहीं किया। वहीं रामराजा कंपनी को चुना गया, जबकि उनके द्वारा जिस काम को पूरा बताया गया, वह अधूरा ही था।

लिवइन पार्टनर ने किया प्रेमिका की मासूम बेटी को अगवा,पुलिस ने बच्ची को उत्तर प्रदेश पुलिस की मदद से बरामद किया

भोपाल । भोपाल के बजरिया इलाके में एक महिला के लिव इन पार्टनर ने उसकी छह साल की बेटी का अपहरण कर लिया। पुलिस ने पूरे मामले में पड़ताल की तो पता चला कि वह बच्ची को अगवा कर अपने साथ यूपी के सीतापुर लेकर जा रहा है।पुलिस टीम ने उसे यूपी जीआरपी की मदद से उरई रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से पकड़ लिया और बच्ची को दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।एएसआई मनोज सिंह के मुताबिक पीड़ित महिला द्वारका नगर में रहती है। उसकी छह साल की बच्ची है, जबकि उसके पति की मौत हो चुकी है। करीब डेढ़ साल से वह शंकर राजपूत नामक व्यक्ति के साथ लिव इन में रह रही थी। मंगलवार दोपहर उसका लिव इन पार्टनर उसकी छह साल की मासूम बच्ची को अगवा कर अपने साथ ले गया था।

उत्तर प्रदेश जीआरपी की मदद से आरोपी को पकड़ा : महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत की। जांच में सामने आया कि आरोपी युवक यूपी के सीतापुर का रहने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की तो पता चला कि वह प्रतापगढ़ एक्सप्रेस से बच्ची को लेकर सीतापुर जा रहा है।

आरोपी और बच्ची को लेकर भोपाल पहुंची पुलिस टीम : पुलिस ने यूपी जीआरपी पुलिस से संपर्क किया और आरोपी युवक को उरई रेलवे स्टेशन पर ट्रेस कर पकड़ लिया। पुलिस की टीम बुधवार सुबह बच्ची और आरोपी युवक को लेकर भोपाल पहुंची।

संपादकीय

बिहार के नए सम्राट की राह आसान नहीं

बिहार की सत्ता संभालने जा रहे नए नेतृत्व के सामने चुनौतियों का अंबार है। सबसे बड़ी समस्या रोजगार की है, जिसने वर्षों से राज्य की दिशा और दशा दोनों को प्रभावित किया है। पलायन बिहार की पहचान बन चुका है–देश के हर कोने में बिहारी कामगार अपनी मेहनत और कर्मठता से अलग पहचान बनाते हैं, लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब उन्हें अपने ही राज्य में अवसर मिलें। यदि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन नहीं हुआ, तो यह सिलसिला थमने वाला नहीं है। पलायन केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय गरिमा से भी जुड़ा है। अन्य राज्यों, विशेषकर महाराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में, चुनावी मौसम आते ही बिहारियों पर अनावश्यक टिप्पणियां होना एक गंभीर चिंता का विषय है। यह स्थिति तभी बदलेगी जब बिहार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। दूसरी बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था की है। पूर्ववर्ती शासन में अपराध पर कुछ हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ, लेकिन पूरी तरह स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। शिक्षा माफिया और बालू माफिया जैसे संगठित अपराध आज भी व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। यह केवल कानून का सवाल नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता का भी मुद्दा है। नए मुख्यमंत्री के लिए यह समय निर्णायक है। यदि वे रोजगार और कानून-व्यवस्था जैसे मूलभूत मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कदम उठाते हैं, तो बिहार की तस्वीर बदल सकती है।

राख, रक्त, राजनीति और अधूरा सच

(प्रणय विक्रम सिंह)

7 अप्रैल 2026 की वह दोपहर केवल एक तारीख नहीं थी, वह एक ऐसा क्षण था, जब शब्दों ने विश्व राजनीति की नई दिशा को छू लिया। वाशिंगटन में खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'हमने अपने सारे सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए हैंज्पूर्ण विजयज 100 प्रतिशत।' उनके स्वर में ठहराव नहीं, ठसक थी, एक ऐसा आत्मविश्वास, जो युद्ध के बाद अक्सर विजेताओं के चेहरों पर उतर आता है। लेकिन इतिहास जानता है कि विजय का सबसे बड़ा भ्रम यही होता है कि वह स्वयं को पूर्ण मान लेती है।

इस घोषणा के ठीक एक दिन बाद पेंटागन में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को एक ऐतिहासिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति को वर्षों के लिए निष्प्रभावी कर दिया गया है। उस समय यह सब सुनते हुए ऐसा लगता था मानो युद्ध समाप्त हो चुका है और परिणाम स्पष्ट है। परंतु युद्ध की धूल जब बैठती है, तब ही उसके निशान दिखते हैं और वे निशान अक्सर बयान से अधिक बोलते हैं। ईरान की धरती पर उस युद्ध के निशान अभी भी धुएं की तरह तैर रहे हैं। टूटे हुए रनवे, जली हुई सैन्य फैक्ट्रियां और समुद्र में डूबे जहाज ये सब उस प्रचंड प्रहार की गवाही देते हैं, जो अमेरिका और उसके सहयोगी इज़राइल ने मिलकर किया।

13,000 से अधिक हमले, नौसेना का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा समाप्त, हथियार कारखानों का व्यापक विनाश और वायु रक्षा प्रणाली का लगभग ध्वंस, ड्रोन, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल क्षमताओं को गंभीर आघात, यह किसी साधारण सैन्य अभियान का चित्र नहीं था, यह एक संरचना को जड़ से हिला देने वाला प्रहार था।

पर सबसे गहरी चोट वहां लगी, जहां आंकड़े नहीं पहुंचते, पर जख्म सबसे गहरा लगता है, मतलब शीर्ष नेतृत्व पर आघात। ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर इस संघर्ष में मारे गए। निर्णय लेने वाली वह परत, जो युद्ध के समय राष्ट्र का मस्तिष्क होती है, अचानक शून्य में बदल गई। यह स्थिति उस वटवृक्ष की तरह प्रतीत होती है, जिसकी शाखाएं भले बची हों, पर जड़ों को भीतर से कमजोर कर दिया गया हो।

लेकिन युद्ध केवल विनाश का गणित नहीं है, यह प्रभाव का विज्ञान भी है। इसे केवल प्रहारों की संख्या से नहीं, बल्कि परिणामों की स्थिरता से आंका जाता है। और यहीं से प्रारंभ होती है वह जटिलता, जो इस युद्ध को 'पूर्ण विजय' के दावे से परे ले जाती है। ईरान टूटा जरूर, पर झुका नहीं। उसकी सत्ता संरचना कायम रही। और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसने अपने भूगोल को हथियार बना लिया। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो वर्षों से वैश्विक व्यापार का मौन मार्ग था, अब शक्ति का प्रतीक बन गया। इस संकीर्ण जलमार्ग पर ईरान की पकड़ पहले से कहीं अधिक सशक्त हो गई। दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा अब उस दरवाजे से गुजरता है, जिसकी चाबी ईरान के हाथ में है।

तकनीक के दौर में अंधविश्वास का जाल, महिलाओं पर बढ़ता खतरा

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी।

(मोनिका शर्मा)

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां बेटे की समस्या से निजात के लिए तांत्रिक के कहने पर एक महिला ने अपनी बेटी की हत्या कर दी। वहीं, एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के वीडियो भी सामने आए, जो गंभीर चिंता का विषय हैं।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि तकनीकी तरक्की और शिक्षित समाज के बढ़ते आंकड़ों के बीच देश के दूरदराज के क्षेत्रों से लेकर बड़े शहरों तक अंधविश्वास की जकड़बंदी खत्म नहीं हो रही है। एक ओर धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर महिलाओं का शोषण किया जाता है, तो दूसरी ओर मुसीबतों से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिकों के इशारे पर मासूम बच्चों की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं में लालच और स्वार्थ का खेल स्पष्ट नजर आता है।सब कुछ सही कर देने वाले वादों और दावों के जाल में लोग आसानी से फंस जाते हैं। खासकर महिलाएं अंधविश्वास के फेर में पड़कर अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालने को तैयार हो जाती हैं। कुंठित और आपराधिक मानसिकता वाले स्वयंभू बाबाओं तथा तांत्रिकों से लंबे समय तक जुड़े रहना न केवल समग्र समाज को नकारात्मक संदेश देता है, बल्कि आज के शिक्षित वर्ग की सोच एवं समझ पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए। यह मामला चर्चा और चिंता का गंभीर विषय है।

दरअसल, अंधी आस्था के साथ शुरू होने वाला यह जालसाजी का खेल भयादोहन तक जा पहुंचता है। कई महिलाएं अपने परिवार को

बताए बिना ऐसे स्वयंभू बाबाओं से मिलती हैं और घर-आंगन, बच्चों या जीवनसाथी से जुड़ी परेशानियों का हल ढूंढ़ने के फेर में इस दलदल में धंसती चली जाती हैं। कई बार तो वे ढोंगी बाबा की सच्चाई जानने के बाद भी इस जाल से बाहर नहीं निकाल पातीं। ऐसे फर्जी जुड़ावों से पनपी जद्दोजहद आगे चलकर आपराधिक घटनाओं का भी कारण बनती है। बदनामी के भय के कारण कई महिलाएं तो आत्महत्या का रास्ता तक चुन लेती हैं। हाल के वर्षों में शिक्षा, अनुसंधान और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों के मोर्चे पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। बावजूद इसके कभी डायन बताकर तो कभी जादू-टोना करने के नाम पर महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं के पीछे स्पष्ट रूप से स्वार्थ साधने का व्यावहारिक खेल होता है।

गौरतलब है कि इस तरह की अधिकतर घटनाओं की जांच में संपत्ति विवाद, मुखर विरोध के लिए किसी स्त्री को सबक सिखाना और शारीरिक शोषण के विरोध जैसे कारण ही सामने आते हैं। ऐसे कई मामलों की तो पुलिस में शिकायत तक नहीं की जाती। अगर शिकायत दर्ज करा भी दी जाए, तो उचित कानूनी कार्रवाई होने की संभावना बहुत कम होती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2001 से 2023 के बीच झारखंड में डायन-बिसाही के अंधविश्वास के कारण सैकड़ों हत्याएं हुई हैं। वर्ष 2023 में देश में सबसे अधिक 22 ऐसी हत्याएं झारखंड में ही दर्ज कीं गईं। यह आंकड़ा वर्ष 2022 में 11 हत्याओं से सौ फीसद अधिक है। विभिन्न रपटों के मुताबिक, झारखंड में हर वर्ष औसतन 25-30 लोग अंधविश्वास के शिकार होते हैं। पिछले वर्ष झारखंड के धनबाद में अंधविश्वास के कारण पांच महिलाओं को डायन बताकर उनसे मारपीट की गई और उन्हें गांव से निकाल दिया गया। इसके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओड़ीशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अंधविश्वास की जड़ें बहुत गहरी हैं।

एक ओर गांवों-कस्बों में महिलाएं अंधविश्वास की वजह से इस दलदल में उतर जाती हैं, तो दूसरी ओर शहरों-महानगरों में शिक्षित स्त्रियों का खुद इस जाल में फंसना भी एक दुखद सच है। व्यवस्थागत रूप से श्रद्धा के नाम पर फैलाए गए ऐसे ढोंग के चक्रव्यूह में महिलाओं को सोची-समझी रणनीति के तहत फंसाया जाता है, जिससे धीरे-धीरे पाखंड का एक पूरा साम्राज्य खड़ा हो जाता है। अफसोस की बात है कि पाखंडियों के षड्यंत्र में फंसी महिलाएं कई भ्रांतियों का शिकार होकर पूरी तरह अंधसमर्थन की राह पकड़ लेती हैं।

दरअसल, हमारा पूरा सामाजिक और पारिवारिक ढांचा बहुत सी समस्याओं से ग्रस्त है। इन परेशानियों को महिलाएं ही अधिक झेलती हैं और इसी कारण उन्हें भावनात्मक रूप से गुमराह करना आसान हो जाता है। अंधविश्वास की अवधारणाओं के कारण उन्हें तांत्रिकों और स्वयंभू बाबाओं के दावे हर बीमारी एवं परेशानी का हल लगते हैं। आडंबर की इस आड़ में वे आर्थिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक शोषण का शिकार हो जाती हैं।

यह बेहद चिंताजनक है कि कहीं स्त्रियां स्वयं अंधविश्वास के जाल में फंसकर अपने जीवन को मुश्किल में डाल रही हैं, तो कहीं परिवार-समाज का अंधविश्वास उनका जीवन छीन रहा है। अज्ञानता से पोषण पाती यह दिशाहीन और अतार्किक सोच आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। इतना ही नहीं, विज्ञान से मिली सहूलियत के बावजूद दिशाहीनता बढ़ रही है। तकनीक की बढ़ती पहुंच के दौर में आभासी दुनिया में परोसी जा रहीं श्रद्धा और विश्वास से जुड़ी भ्रामक जानकारियां भी अंधविश्वास बढ़ा रही हैं।

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भ्रम फैलाने और कुप्रथाओं को बढ़ावा देने वाली सामग्री, वीडियो और 'रील' हर ओर छाए हुए हैं। इनमें भी बेबुनियाद बातों और चमत्कारों का दावा किया जाता है। ऐसे में वास्तविक संसार की दुखद घटनाओं से लेकर आभासी दुनिया की पूर्वाग्रही जानकारियों तक, हर मोर्चे पर सजगता आवश्यक है। महिलाओं के जीवन को मुश्किल में डालने वाली सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास के उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियानों को और व्यापक बनाने की दरकार है। साथ ही जाने-अनजाने छल-छद्म के जाल में फंसने वाली महिलाओं को भी सचेत रहने की आवश्यकता है।

'सरेंडर' बनाम 'सुपरपावर'ः युद्ध के बीच सियासत, विदेश नीति से चुनाव तक किसका सच भारी

(सुधीश पचौरी)

आहत दुनिया को थोड़ी राहत, फिर राहत भी आहत! ईरान का एलान कि होर्मुज से निकलने वाले प्रत्येक तेलवाहक जहाज से बीस लाख डालर फीस वसूली जाएगी। और इस पर 'अंकल सैम' की नई धमकी कि हमारी अंगुली अभी 'ट्रिगर' पर ही है..!

पक्ष का राग- भारत की विदेश नीति 'सरेंडर' यानी आत्मसमर्पण! तीन विपक्षी नेताओं का राग- भारत की विदेश नीति 'सही! सत्ता प्रवक्ता का राग- इनके लिए सब कुछ 'बेजान'! अर्थव्यवस्था बेजान! ये बेजानज वह बेजानज सब बेजान! 'प्रलय' आ चुका है, फिर भी बचे हैं, तो ये 'बेजान राग' गाने वाले बचे हैं। फिर एक दिन विपक्ष का राग- ट्रंप से बातचीत में 'मस्क' और 'मस्का'! जवाब में सत्ता पक्ष का राग- ट्रंप से बातचीत में 'न मस्क न मस्का'! फिर एक दिन विपक्षी नेता जी का 'तू तड़ाक'- ट्रंप कहेगा कि कूदो, तो वह कूद जाएगाज ट्रंप कहेगा घुटने टेको, तो घुटने टेकेगाज क्योंकि उसके बारे में उनके पास बहुत कुछ है! एक चर्चक का कटाक्ष- इस भाषण से उनको कितने वोट मिल पाएंगे?

फिर विपक्ष के एक दल का अपने 'आंख के तारे' को राज्यसभा के नेता पद से हटाना। फिर एक नेता का 'गब्बर डायलाग' कि '(जो सत्ता से) डर गया, वो मर गया'! ये तो समोसे पिज्जा पर बोलते हैं, लेकिन सत्ता के खिलाफ बोलने से डरते हैं, 'कंप्रोमाइज्ड' हैं। हटाए गए नेता का जवाब- मैं दरिया हूंज वक्त आने पर सैलाब बनूंगा..! सभी को इंतजार है कि नेताजी अब बने सैलाब, लेकिन अब तक सिर्फ तालाब, कोई सैलाब नहीं। इधर ये वाग्युद्ध जारी, उधर 'अमेरिका-इजराइल बरक्स ईरान' का 'बम-बम' जारी और 'धारणा युद्ध' जारी। ईरान का दावा कि अमेरिका के जेट हमने गिराए, एक 'ब्लैक हाक गिरा दिया' अमेरिकी जवाब कि हमने अपने पायलट छुड़ाए..! इस पर कुछ हिंदी चैनल 'लहालोट' होकर बोले कि देखा! अमेरिका अपने पायलटों को उठा भी ले गया, ईरान कुछ न कर सकाज और अंकल सैम 'बम बम' कि अमेरिका की सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना। साथ ही अंकल सैम के बेलगाम और आपत्तिजनक बोल की शृंखला। एक एंकर- एकदम सड़क छाप भाषा। अंकल सैम 'नार्सीसिस्ट'। एक चर्चक ने कहा कि अंकल सैम ने तो अमेरिका की इज्जत का फलूदा बना दिया। फिर एक दिन अंकल सैम की चौबीस घंटे की चेतावनी कि या तो होर्मुज खोल दो, नहीं तो एक पूरी सभ्यता 'नेस्तनाबूद' हो जाएगी। मैं चाहता नहीं, लेकिन ये होगा। इस पर ईरान का जवाब आया कि हमारे इस्लामी लड़ाके तैयारज 'मानव शृंखला' बनाई..! फिर एक खबर कि वार्ता जारी फिर खबर कि कोई बातचीत नहीं! फिर एक 'ब्रेकिंग खबर' कि युद्धविराम तो पाकिस्तान ने कराया, लेकिन दो-दो प्रस्ताव एक अमेरिका का, दूसरा ईरान का। दोनों में फर्क ईरानी प्रारूप में लेबनान शामिल अमेरिकी प्रस्ताव में लेबनान बाहर। और खबर कि इजराइल ने लेबनान पर बम मारकर एक बड़ी इमारत उड़ाई, यानी युद्ध विराम के चिथड़े।

आहत दुनिया को थोड़ी राहत, फिर राहत भी आहत! ईरान का एलान कि होर्मुज से निकलने वाले प्रत्येक तेलवाहक जहाज से बीस लाख डालर फीस वसूली जाएगी। और इस पर 'अंकल सैम' की नई धमकी कि हमारी अंगुली अभी 'ट्रिगर' पर ही है..! फिर पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान वार्ता की तैयारी, जिसमें इजराइल नहीं रहने वाला। और इजराइल बिना कैसा युद्धविराम? युद्धविराम को लेकर अमेरिका पर एक चैनल की चोट- 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले'। एक एंकर की लाइन- अंकल सैम का आत्मसमर्पण! कहां तो 'पाषाण युग' में भेज रहे थे, खुद कहां पहुंच गए। एक अमेरिकी प्रवक्ता- अंकल सैम ने इतिहास रचाज अमेरिका जीताज ईरान ने युद्धविराम की भीख मांगी। इसके बरक्स ईरानी प्रवक्ता- ईरान के आगे अमेरिका ने आत्मसमर्पण किया। युद्धविराम के बाद विपक्ष का फिर से 'पाक राग' शुरू, कि देखो पाकिस्तान चौधरी बन गया। भारत कहां विश्वगुरु कहां छप्पन इंच का सीना कहां भारत की विदेश नीति 'समर्पण समर्पण'। पाकिस्तान चौधरी बना, तो वाह-वाह! भारत विश्वगुरु न बना तो हाय-हाय! पाकिस्तान 'डाकिया डाक लाया' तो वाह-वाह, भारत डाकिया न बना तो हाय-हाय! मगर अफसोस कि युद्धविराम शुरू होने से पहले ही खत्म! इजराइल लेबनान पर बम बरसाता रहा युद्धविराम हिलता रहा।

क्या तकनीक की ऊंचाइयों के बीच हम अपनी गहराई खो रहे हैं

(मुनीष भाटिया)

किसी को बेवजह परेशान करना केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व की संवेदनहीनता का दर्पण है। जब हम बिना कारण किसी को कष्ट देते हैं, तो हम न केवल एक व्यक्ति के मन को आहत करते हैं, बल्कि समाज में नकारात्मकता का बीज भी बोते हैं। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि अगर हम किसी को पीड़ा में देखकर भी अनदेखा कर देते हैं, तो यह हमारी निष्क्रिय संवेदनहीनता को दर्शाता है। इंसानियत का मूल तत्त्व यही है कि हम दूसरों के दर्द को समझें, उसे महसूस करें और जहां तक संभव हो, उसे कम करने का प्रयास करें। जीवन का एक गहरा सत्य यह है कि हर व्यक्ति किसी न किसी अदृश्य संघर्ष से गुजर रहा होता है।

यह लेख आधुनिक समय के उस विरोधाभास को उजागर करता है, जहां एक ओर इंसान तकनीकी और भौतिक प्रगति के शिखर पर पहुंच रहा है, वहीं दूसरी ओर उसकी संवेदनशीलता, नैतिकता और इंसानियत कमजोर होती जा रही है। आज का समय विरोधाभासों से भरा हुआ है। एक ओर मनुष्य अभूतपूर्व प्रगति, तकनीक और भौतिक संपन्नता की ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं उसके भीतर की संवेदनशीलता, इंसानियत और नैतिकता धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। बदलते परिदृश्य में सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर झांकें और समझें कि असली मूल्य किसका है- भौतिक संपत्ति का या मानवता का। अंतरात्मा की दौलत वह अमूल्य संपत्ति है, जो न सोने-चांदी में मिलती है और न ही जमीन-जायदाद में।

यह इंसान के भीतर बसने वाली वह आवाज है, जो उसे सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। सच्चाई यह है कि जिसके पास जमीर की समृद्धि होती है, वही वास्तव में सबसे धनी होता है, क्योंकि यही वह आधार है, जो व्यक्ति को आत्मसम्मान, सच्चाई और नैतिकता के रास्ते पर टिकाए रखता है, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों।

किसी को बेवजह परेशान करना केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व की संवेदनहीनता का दर्पण है। जब हम बिना कारण किसी को कष्ट देते हैं, तो हम न केवल एक व्यक्ति के मन को आहत करते हैं, बल्कि समाज में नकारात्मकता का बीज भी बोते हैं। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि अगर हम किसी को पीड़ा में देखकर भी अनदेखा कर देते हैं, तो यह हमारी निष्क्रिय संवेदनहीनता को दर्शाता है।

इंसानियत का मूल तत्त्व यही है कि हम दूसरों के दर्द को समझें, उसे महसूस करें और जहां तक संभव हो, उसे कम करने का प्रयास करें। जीवन का एक गहरा सत्य यह है कि हर व्यक्ति किसी न किसी अदृश्य संघर्ष से गुजर रहा होता है। ऐसे में हमारा एक छोटा-सा व्यवहार भी किसी के लिए सहारा बन सकता है या बोझ।

विवेकशीलता का वास्तविक अर्थ केवल यह नहीं है कि हम स्वयं गलत कार्य न करें, बल्कि यह भी है कि हम दूसरों के कष्टों को कम करने की दिशा में सोच विकसित करें। एक संवेदनशील और परिपक्व व्यक्ति वही है, जो दूसरों की पीड़ा को अपना समझे और बिना किसी स्वार्थ के सहायता के लिए आगे आए। यही सोच समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखती है। आज व्यक्ति की पहचान उसके चरित्र से नहीं, बल्कि उसकी संपत्ति से होने लगी है।

रिश्ते भी अब भावनाओं से नहीं, बल्कि लाभ-हानि के आधार पर तय होने लगे हैं। पहले जहां रिश्तों में अपनापन, त्याग और समझदारी होती थी, वहीं आज उनमें औपचारिकता और स्वार्थ अधिक दिखाई देता है। यह बदलाव केवल सामाजिक नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब इंसान की अंतरात्मा धीरे-धीरे मौन हो जाती है। व्यक्ति सही और गलत का अंतर जानते हुए भी अपने स्वार्थ के लिए गलत रास्ता चुनता है। झूठ,

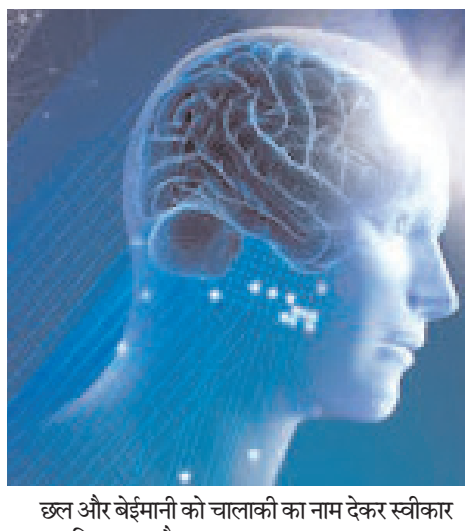

छल और बेईमानी को चालाकी का नाम देकर स्वीकार कर लिया जाता है।

यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति को भीतर से खोखला करती है, बल्कि पूरे समाज को भी अस्थिर बनाती है। इसी के साथ एक और गहरी समस्या जुड़ी हुई है-अत्यधिक भावुकता और विवेक की कमी। जब व्यक्ति हर संबंध में आंख बंद करके विश्वास करता है, बिना सोचे-समझे अपने मन की सारी सच्चाई सामने रख देता है, तो कई बार उसे ठगे जाने का अनुभव होता है। यह अनुभव अचानक नहीं आता, बल्कि हमारी अपनी अपेक्षाओं और असंतुलित भावनाओं से जन्म लेता है। भावुक होना हमारी ताकत है, लेकिन जब यही भावुकता संतुलन खो देती है, तो यह हमारी कमजोरी बन जाती है।

जीवन में संतुलन अत्यंत आवश्यक है। दिल की कोमलता के साथ दिमाग की सजगता भी जरूरी है। तुलनात्मक और व्यावहारिक सोच हमें यह सिखाती है कि कहां कितना विश्वास करना है, कहां कितना देना है और कहां खुद को संभालना है। यही संतुलन हमें अनावश्यक पीड़ा से बचाता है और हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति बार-बार अपने विचार और व्यवहार बदलता है, वह धीरे-धीरे अपनी पहचान खो देता है। गिरगिट की तरह रंग बदलने की प्रवृत्ति व्यक्ति को अस्थिर बना देती है।

ऐसा व्यक्ति न तो अपने मूल्यों पर टिक पाता है और न ही किसी संबंध में स्थायित्व ला पाता है। परिणामस्वरूप, वह स्वयं भी असंतुष्ट रहता है और दूसरों के लिए भी अविश्वसनीय बन जाता है। स्थिरता जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह स्थिरता बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि भीतर की स्पष्टता और दृढ़ता से आती है। जब व्यक्ति अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहता है, तभी वह सच्चे सुख और शांति का अनुभव कर पाता है। अन्यथा, वह हर परिस्थिति के साथ बदलता रहता है और आखिरकार स्वयं से ही दूर हो जाता है।

इन सभी पहलुओं को एक सूत्र में पिरो कर देखें, तो स्पष्ट होता है कि समस्या बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। हमने अपनी संवेदनशीलता, विवेक और स्थिरता के बीच संतुलन खो दिया है। अगर हम इस संतुलन को पुन-स्थापित कर लें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन बेहतर होगा, बल्कि समाज भी अधिक मानवीय बन सकेगा। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं से शुरुआत करें। हम यह संकल्प लें कि न तो हम किसी को बेवजह परेशान करेंगे और न ही किसी को पीड़ा में देखकर अनदेखा करेंगे।

हम भौतिक वस्तुओं की अंधी दौड़ में अपनी इंसानियत को नहीं खोएंगे तथा अपनी भावनाओं को संतुलित रखेंगे, अपने विवेक को जागृत रखेंगे और अपने मूल्यों पर दृढ़ रहेंगे। आखिर सच्चा सुख न धन में है, न दिखावे में, बल्कि उस संतोष में है जो हमें तब मिलता है जब हमारा मन शांत हो, हमारा जमीर जागृत हो और हमारा व्यवहार दूसरों के लिए भी सहारा बने। यही एक सच्चे, संतुलित और सार्थक जीवन की पहचान है।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत पीपलखुटा में निर्माण एवं योजनाओं का किया निरीक्षण

झाबुआ,(निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान द्वारा आज जनपद पंचायत मेघनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत पीपलखुटा में विभिन्न निर्माण कार्यों एवं योजनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 5वें वित्त आयोग मद से ग्राम पंचायत पीपलखुटा द्वारा निर्मित किए जा रहे सामुदायिक भवन के कार्य का अवलोकन किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि निर्माण एजेंसी द्वारा तकनीकी मापदंडों की अवहेलना करते हुए स्टेज का कार्य पूर्ण किए बिना ही टाइल्स लगा दी गई हैं। इस पर गंभीर नाराज़गी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्य में लापरवाही बरतने पर जनपद पंचायत मेघनगर के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री को नोटिस जारी कर अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात उप संचालक, पशु चिकित्सा झाबुआ के साथ गोवर्धन योजना अंतर्गत गोबर गैस परियोजना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान गौ-काष्ठ यूनिट के कार्यों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही ग्राम पंचायत पीपलखुटा में नल-जल योजना के अंतर्गत निर्मित जल टंकी की कार्यात्मक स्थिति (फंक्शनल स्टेटस) के संबंध में जनप्रतिनिधियों से जानकारी प्राप्त की गई। आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत को निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं तथा योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से आमजन तक पहुंचाया जाए।

कलेक्टर ने जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास रामा का किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित विद्यार्थियों पर जताई नाराज़गी

झाबुआ,(निप्र)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा आज जनजातीय सीनियर उ. बालक छात्रावास, रामा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में एक भी छात्र उपस्थित नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने गहरी नाराज़गी व्यक्त की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्यार्थियों को अगले दिवस तक छात्रावास में अनिवार्य रूप से उपस्थित कराया जाए। साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों को समझाइश देने एवं काउंसलिंग करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें अवगत कराया जा सके कि अप्रैल माह में भी कक्षाओं का नियमित संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर ने एसडीएम झाबुआ को छात्रावास में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रामा क्षेत्र के अन्य छात्रावासों में भी विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने बीईओ रामा एवं संबंधित छात्रावास वार्डन को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की शिक्षा एवं उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा इस संबंध में सतत निगरानी रखी जाएगी। इस दौरान सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, तहसीलदार रामा सुश्री वैशाली सोलंकी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उज्जैन जनपद के वृंदावन ग्राम तालोद के किसानों को मल्चर मशीन प्रदान की

उज्जैन,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसान कल्याण वर्ष 2026 में प्रदेश सरकार नरवाई प्रबन्धन से कृषकों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जिले में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशन में नरवाई प्रबन्धन से कृषकों की आय बढ़ाने और नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों के बारे में कृषकों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में नरवाई प्रबन्धन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार द्वारा जिले के उज्जैन जनपद के वृंदावन ग्राम तालोद में किसानों को मल्चर मशीन उपहार स्वरूप प्रदान की। मल्चर मशीन खेत में बचे हुए फसल अवशेषों को छोटे छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी में मिला देती है।मल्चर मशीन प्राप्त होने पर ग्राम के कृषक भाइयों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया गया। मल्चर मशीन में तेज घूमने वाले ब्लेड या हथौड़े लगे होते हैं, जो फसल के अवशेष को काटते हैं, उन्हें बारीक टुकड़ों में बदल देते है और फिर उन्हें खेत में ही फैला देते है।

पिपल्या कुल्मी मार्ग का खौफनाक मंजर, टैक्टर ट्रॉली की कंटेनर से भिड़ंत में 3 लोगो की मौत 15 घायल

युवा व्यापारी शुभम गुप्ता की रामगंज मंडी में सड़क दुर्घटना में मौत व टैक्टर दुघटना सहित चार मौत ने नगर का माहौल गमगीन हो गया

घनश्याम शर्मा

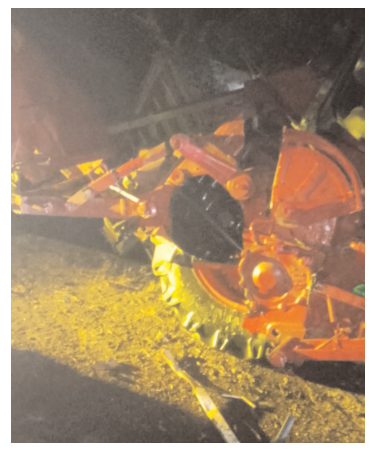

माचलपुर :- मंगलवार रात माचलपुर नगर के लिए अमंगल साबित हुई! अलग अलग दुर्घटना में नगर के चार लोगों की मौत हो गई । एक भीषण दुर्घटना पिपल्या कुल्मी के पास खेड़ापति हनुमान मंदिर के समीप एक एलएनटी मशीन से लदे कंटेनर से टैक्टर ट्रॉली की सामने से भिड़ंत हो गई । उक्त टक्कर इतनी भीषण थी कि टैक्टर के फरखचे उड़ गए इंजन बाहर निकल गया और ट्राली खाई में गिर गई ट्रॉली में सवार तीन लोगों की मौत हो गई वही 15 लोग घायल हो गए जिनका उपचार चल रहा है । सांवलपुरा से शादी की रस्म (बाना) निभाने के लिए देवीगढ़ के लिए टैक्टर ट्रॉली में सवार होकर जा रहे थे सोचा नहीं था खुशी गम में तब्दील हो जावेगी । दुर्घटना के बाद चीख पुकार मच गई और घटना स्थल पर स्थानीय लोगों और पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर बचाव कार्य शुरु किया वा घायलों को माचलपुर स्वास्थ केंद्र लाया गया जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया । उपचार के दौरान एक

महिला कब्बूबाई गुर्जर की मौत हो गई घायलों को जिला अस्पताल राजगढ़ वा झालावाड़ बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया जहां उपचार के दौरान बालचंद दांगी शिक्षक व बालिका सलोनी की मौत हो गई ! इस तरह तीन जिंदगी इस हादसे में चली गई जब दुघटना में घायल लोगों का उपचार चल रहा तब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भारी संख्या में नगर के लोग जमा हो गए थे ! मोजद लोगो में शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश देखा गया काफी नारेबाजी हुई महिलाओं ने जनप्रतिनिधियों को भी भला बुरा कहा । सूचना मिलते ही माचलपुर तहसीलदार जीरापुर तहसीलदार एसडीएम अंकिता जैन एसडीओपी धर्मवीर सिंह एडिशनल एसपी के एल बंजारे सहित अनेक थानों का पुलिस बल मौजूद था । वही दूसरी दुघटना में नगर के एक 28 वर्षीय युवा व्यापारी शुभम गुप्ता की रामगंज मंडी धनिया बेचकर मारुति वैन से लौट रहा था उक्त वाहन मुनीम चला रहा वैन अनियंत्रित होकर चार पांच पलटी खाई जिसमें शुभम की मौत हो गई और मुनीम घायल है,इस तरह मंगलवार का दिन नगर के लिए मनुसियत भरा रहा ओर बुधवार को गमगीन माहौल में चार अर्थियों उठी ।

गंगा संवर्धन अभियान के सहभागी विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ की बैठक

इन्दौर,(निप्र)। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के सहभागी विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। सभी विभागों के नोडल अधिकारियों को रैकिंग के लिए बनाए गए डैशबोर्ड में अनिवार्य रूप से समय पर जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। जिससे अभियान की प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को सहेजने तथा पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 19 मार्च से 'जल गंगा संवर्धन अभियान' संचालित किया जा रहा है। अभियान से जुड़े 18 विभागों द्वारा जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, इससे प्रदेश में जल संसाधनों के संरक्षण को नई दिशा मिल रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रस्तोगी ने 19 मार्च से अब तक किए गए कार्यों की विभाग वार प्रगति की समीक्षा कर सभी विभागों को अभियान का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में महिदपुर में स्वच्छता अभियान एवं जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प

उज्जैन,(निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण के तहत आयोजित जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में महिदपुर नगर स्थित चोपड़ा की बावड़ी हनुमान मंदिर पर एक महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। नगर विकास प्रस्फुटन समिति, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों एवं परामर्शदाताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए बावड़ी क्षेत्र की सफाई की और जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति दृढ़ सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने बावड़ी को स्वच्छ बनाया, आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया तथा जल स्रोतों के

संरक्षण की आवश्यकता पर चर्चा की। इस अवसर पर सभी ने जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।यह अभियान मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, स्वच्छता और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना है।नगर विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी बढ़ती है और युवा पीढ़ी सामुदायिक नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होती है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने इस अवसर पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।इस स्वच्छता अभियान से न केवल चोपड़ा की बावड़ी सुंदर और स्वच्छ बनी, बल्कि जल

राजस्थान जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों का झाबुआ में 'सक्षम कार्यक्रम' अंतर्गत एक दिवसीय एक्स्पोज़र विजिट सम्पन्न

झाबुआ,(निप्र)। राजस्थान जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा 13 अप्रैल 2026 को मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित 'सक्षम कार्यक्रम' के अध्ययन हेतु झाबुआ जिले का एक दिवसीय एक्स्पोज़र विजिट किया गया। प्रतिनिधिमंडल में नोडल ऑफिसर एडीईओ उदयपुर डॉ. अमृता दाधीच, एडीईओ आबू रोड डॉ. मनोहर सिंह, एडीईओ डूंगरपुर श्री गेन्दा लाल, एडीईओ बांसवाड़ा श्री कचरुलाल, डिप्टी मैनेजर श्वरूक्स सोसाइटी राजस्थान श्री एम.एल. गर्ग, असिस्टेंट रिसर्चर श्री भगवती लाल, वार्डन श्री सुंदरलाल, एमबी प्रोजेक्ट मैनेजर श्री दिनेश कुमार शर्मा तथा क्लस्टर मैनेजर मोहम्मद शब्बीर शामिल रहे। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने झाबुआ जिले के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की, जिसमें सहायक आयुक्त श्रीमती सुप्रिया बिसेन, सहायक संचालक श्री गनपत सिंह देवहरे, जिला क्षेत्र संयोजक एवं मेघनगर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री दीपेश सोलंकी तथा बीआरसी मेघनगर श्री महेश सोलंकी उपस्थित रहे। बैठक में मध्यप्रदेश में जनजातीय शिक्षा से संबंधित पहलों, उनकी प्रगति तथा प्रभावी क्रियान्वयन रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय, वन कन्या आश्रम, नौगावा का भ्रमण कर संकुल प्राचार्य श्री मनीष पालीवाल, प्रधानाध्यापक श्री बाबू डामोर एवं मास्टर ट्रेनर सुश्री अभिलाषा शर्मा से शैक्षणिक

गतिविधियों एवं कार्यक्रम के संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल (श्वरूक्स) मेघनगर का भी निरीक्षण कर प्राचार्य डॉ. अर्चला श्रीवास्तव एवं विद्यालय स्टाफ से संवाद किया गया। भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश के जनजातीय विभाग के सहयोग से संचालित 'सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम' का विशेष रूप से अवलोकन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों से संवाद कर जीवन कौशल आधारित शिक्षा के उनके सीखने, आत्मविश्वास एवं व्यक्तिगत विकास पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों को समझा। यह एक्स्पोज़र विजिट प्रभावी शिक्षण पद्धतियों के आदान-प्रदान एवं नवाचारों की समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। साथ ही राजस्थान में जनजातीय जीवन कौशल कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु क्रॉस-लर्निंग के नए अवसरों को भी रेखांकित किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्षम कार्यक्रम टीम के गवर्नमेंट पार्टनरशिप हेड श्री जावेद शेख, स्टेट मैनेजर श्री साहिल कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री नागूलाल हाडा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रवि प्रताप सिंह तोमर एवं ब्लॉक प्रबंधक पूजा साहू, श्री कैलाश राठौर, श्री आशुतोष राठौर एवं सुश्री पदमा जोशी का विशेष सहयोग रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 जल संरक्षण के कार्यों का कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने किया निरीक्षण

आलीराजपुर,(निप्र)। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत किए जा रहे कार्यों का कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थलों पर चल रहे कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण की शुरुआत चंद्रशेखर आजाद नगर के पुजारा फलिया बेहडवा में बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य से हुई, जहां कलेक्टर ने कार्य को और अधिक गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद झीरण में रिचार्ज पिट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। यहां कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित इंजीनियर, सचिव एवं सरपंच को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में सुधार लाया जाए। निरीक्षण के अगले क्रम में

बरझर जनपद पंचायत में जनसहयोग से किए जा रहे बोरी बंधान कार्य का निरीक्षण किया गया,जिसकी प्रगति संतोषजनक पाई गई।

इसके पश्चात सेजवाड़ा तालाब गहरीकरण कार्य का भी अवलोकन किया गया जोकि सन्तोषजनक था किंतु कार्य को और अधिक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसे सभी विभागों को गंभीरता से लेते हुए प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना चाहिए। उन्होंने सभी से जल संरक्षण और संचयन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री निधि मिश्रा, सुश्री दीपिका पाटीदार, एसीईओ, जनपद पंचायत सीईओ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता विभाग के द्वारा सामाजिक समरसता यात्रा आयोजित

विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता विभाग के द्वारा सामाजिक समरसता यात्रा गुना विभाग के अशोकनगर से प्रारंभ होकर कुंभराज में इसका समापन हुआ सुभाष चौक पर एक समापन जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें मंचसीन रहे प्रांत संगठन मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष अनीता दीदी, प्रांत संयोजक अबधेश तिवारी प्रांत समरसता प्रमुख राजेंद्र सिंह टांक कार्यक्रम अध्यक्ष नीरज वाल्मीकि पुजारी संजू शर्मा अनीता दीदी ने बताया हिंदू सनातन संस्कृति दुनिया भर में एकमात्र प्राचीन संस्कृति है अनेक विधर्मी आक्रमणों और संघर्षों के बीच भी निरंतर अखंड चल रही है । मुख्य वक्ता प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह चौहान ने बताया इस यात्रा का उद्देश्य हिंदू समाज में जाति भेदभाव और छुआछूत जड़ मूल से

नष्ट कर प्रत्येक हिंदू समाज को लोगों को आपस में प्रेम और आत्मीयता व्यवहार बढ़ाना अलग-अलग वर्गों के बीच एकता एवं भाईचारा स्थापित करना है हमारे देश के साधु संतो ने समय समय समाज में जातीय भेदभाव मिटाने के लिए कई प्रयास किए । मुगलकाल व अंग्रेजों के समय से ही हिन्दू समाज में विघटन शुरू हुआ इससे पहले जातीय भेदभाव देखने को नहीं मिलता । कार्यक्रम में वीरेन्द्र तिवारी विभाग मंत्री दिलीप सिंह कुशवाह विभाग संगठन मंत्री वीर सिंह विभाग सह मंत्री रामवीर यादव व समाज प्रमुखों से साथ प्रबुद्ध जन एवं जिला प्रखंड के सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

जिलाबदर कुख्यात तस्कर के घर पर आबकारी का बड़ा एक्शन, बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त

इन्दौर,(निप्र)। इंदौर जिले में मदिरा के अवैध रूप से क्रय-विक्रय, भण्डारण तथा परिवहन करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाबदर कुख्यात तस्कर के घर पर छापा डालकर बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई।

यह कार्रवाई सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल एवं फ्लाइंग स्क्वॉड प्रभारी श्री कमलेश सोलंकी द्वारा वृत्त सांवेर अंतर्गत ग्राम बड़ोदिया खान में की गई।

आबकारी विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुख्यात शराब तस्कर महेश उर्फ एन.डी. के निवास से अवैध मदिरा जप्त की गई। कार्यवाही के दौरान कुल 62 पेटी देशी मदिरा (558 बल्क लीटर), 35 पेटी विदेशी मदिरा स्प्रिट (315 बल्क लीटर) तथा 4 पेटी विदेशी मदिरा बीयर (48 लीटर) जप्त की गई। इस प्रकार कुल 101 पेटी देशी एवं विदेशी मदिरा, कुल 921 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। उक्त आरोपी पूर्व में जिलाबदर भी रह चुका है, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति स्पष्ट होती है।

उक्त कार्यवाही में आबकारी विभाग की टीम, जिसमें एडीईओ श्री धर्मेंद्र जोशी, श्री जहांगीर खान तथा उप निरीक्षक श्री त्रियांबिका शर्मा, श्री आशीष जैन एवं श्री बी.डी. अहिरवार का विशेष योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नवागत कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया विस्तृत निरीक्षण

व्यवस्थाओं में सुधार एवं उच्च स्तरीय सेवाएं विकसित करने के दिए

झाबुआ,(निप्र)। नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज जिला अस्पताल का सघन एवं विस्तृत निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में संचालित विभिन्न इकाइयों एवं वार्डों का क्रमवार अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर ने सर्वप्रथम ओपीडी पर्ची काउंटर का निरीक्षण कर मरीजों के पंजीयन की प्रक्रिया को देखा एवं कतार प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। इसके पश्चात उन्होंने इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध त्वरित उपचार व्यवस्था, स्टाफ की उपलब्धता एवं आवश्यक उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया तथा 24म7 प्रभावी सेवाएं सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए।

प्रसूति वार्ड के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए स्वच्छता, गोपनीयता एवं आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। ब्लड बैंक में उन्होंने रक्त की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार सुधार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) का निरीक्षण करते हुए कुपोषित बच्चों को प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा पोषण आहार, उपचार एवं निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। सिकल सेल वार्ड में उन्होंने मरीजों के उपचार, दवाओं की उपलब्धता एवं नियमित जांच व्यवस्था की समीक्षा कर विशेष संवेदनशीलता के साथ सेवाएं प्रदान करने को कहा। बुजुर्ग वार्ड के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वरिष्ठ नागरिकों को समुचित एवं सम्मानजनक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड कार्यालय में उन्होंने हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर एवं सरलता से उपलब्ध कराने हेतु प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने को कहा। साथ ही पुलिस सहायता केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं समन्वय व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की समुचित एवं चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया तथा संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 78000 के पार पहुंचा

निवेशकों को 9 लाख करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार आज बुधवार को तूफानी तेजी के साथ खुला है। सेंसेक्स और निफ्टी में 1-1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी आज 24163.80 अंक पर खुला है। वहीं, सेंसेक्स 77,981.10 अंक पर ओपन हुआ है। बता दें, ओपनिंग के बाद सेंसेक्स 1.72 अंक या फिर 1318.93 की तेजी के साथ 78,166.50 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी 1.62 प्रतिशत या फिर 387.15 अंक की तेजी के साथ 24229.80 अंक पर ट्रेड कर रहा है। बता दें, शुरुआती कारोबार में निफ्टी में 50 में से 48 कंपनियों के शेयरों में तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। बीएसई की लिस्टेड कंपनी के

मार्केट कैप में आज 9 लाख करोड़ रुपये का इजाफा सुबह में देखने को मिला है। सेंसेक्स की सभी 30 में से 30 कंपनियों के शेयर आज सुबह बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। इंडिगो के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एचसीएल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस के शेयर प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

सोमवार को शेयर बाजारों में दिखी थी गिरावट- सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 703 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 208 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिए बातचीत विफल होने के साथ संघर्ष लंबे समय तक जारी रहने की चिंता में कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली थी।। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 76,847.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,681.93 अंक लुढ़क कर 75,868.32 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी भी 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,842.65 अंक पर बंद हुआ।

तांबे में जोरदार उछाल! 6 हफ्ते के हाई पर कॉपर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच एक दिलचस्प मोड़ देखने को मिला है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने मेटल मार्केट में नई जान डाल दी है। इसी सकारात्मक संकेत का असर तांबे की कीमतों पर साफ दिखा, जिससे कीमतें 6 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में की कीमत 13,200 डॉलर प्रति टन के करीब पहुंच गई, जो पिछले एक महीने का उच्चतम स्तर है। यह तेजी ऐसे

समय आई है, जब निवेशक इस उम्मीद में हैं कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से शुरू होती है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव कम हो सकता है और ऊर्जा कीमतों में भी स्थिरता आ सकती है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। दरअसल, जब फरवरी 2026 के अंत में युद्ध जैसे हालात बने थे, तब औद्योगिक धातुओं पर काफी दबाव पड़ा था। बढ़ती तेल कीमतों और आर्थिक मंदी की आशंका ने निवेशकों को सतर्क कर दिया था, जिससे तांबा और अन्य मेटल्स की कीमतों में गिरावट आई थी। लेकिन, अब जैसे-जैसे शांति की उम्मीद बढ़ रही है, बाजार में भरोसा लौटता दिख रहा है। यही वजह है कि तांबा ही नहीं, बल्कि अन्य मेटल्स में भी तेजी देखने को मिली है।

पेट्रोल 7.41 रुपये, डीजल 25.01 हुआ महंगा

एलपीजी के नए रेट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया है। जिसकी वजह से पुरानी कीमतें ही बरकरार हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। बता दें, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अप्रैल 2022 से कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

1 अप्रैल को शेल इंडिया ने अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया था। कंपनी ने पेट्रोल की कीमतों में 7.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 25.01 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इससे

सरकारी तेल कंपनियों को हो रहा है भारी नुकसान

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों के पंप कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं जिसके कारण पेट्रोल पर नुकसान बढ़कर 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। कीमतों को एक दशक से अधिक पहले विनियमन-मुक्त किए जाने के बावजूद पब्लिक सेक्टर की इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की रिटेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। हर दिन हो रहा है इस दौरान वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच आज रात को 40 मिनट के बीच बातचीत हुई। मौजूदा संकट को लेकर पूरी दुनिया में हलचल है। भारत भी इससे प्रभावित है। भारत अपनी जरूरत का 85 से 90 प्रतिशत एलपीजी खाड़ी के देशों से मंगाता है। युद्ध की वजह से सप्लाई प्रभावित हुई है। हालांकि, आज बुधवार को कंपनियों में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। जब से युद्ध शुरू हुआ तब से अबतक घरेलू एलपीजी सिलेंडर का एक बार और कॉमर्शियल सिलेंडर का रेट दो बार बढ़ाया जा चुका है।

1 अप्रैल को बढ़ाया गया था कॉमर्शियल सिलेंडर का रेट

इसी महीनी की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2026 को कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 195.50 रुपये से 218 रुपये तक का इजाफा किया गया था। हालांकि, तब घरेलू

सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी। 5 किलोग्राम के छोटकू सिलेंडर पर भी 51 रुपये का इजाफा किया गया था। बता दें। घरेलू सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 7 मार्च को इजाफा हुआ था।

सोमवार को केंद्र सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि एलपीजी को लेकर स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां से अबतक कोई भी कमी की सूचना नहीं है। बता दें, केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया है कि बुकिंग पूरी तरह से ओटीपी आधारित कर दी गई है। गुजरात के कांडला पर एक नया एलपीजी टैंकर कल मंगलवार को पहुंचा था।

फिर हो गया उलटफेर, रूसी तेल की बंपर खरीद

भारत उछलकर दूसरे नंबर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मार्च 2026 में रूसी कच्चे तेल की बंपर खरीद की है। इस खरीद में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है। यह बढ़कर 5.3 अरब यूरो (लगभग 58,229 करोड़ रुपये) रही है। इस बढ़ोतरी के पीछे इंपोर्ट वॉल्यूम यानी आयात मात्रा का दोगुना होना और ग्लोबल तेल कीमतों में उछाल है। इसने भारत के ऊर्जा आयात के समीकरण दोबारा बदल दिए हैं।

यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी। फरवरी में भारत रूस से ऊर्जा आयात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था। कुल आयात 1.8 अरब यूरो रहा था। उस समय कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 फीसदी (1.4 अरब यूरो) थी। कोयले की हिस्सेदारी 22.3 करोड़ यूरो और पेट्रोलियम उत्पादों की 12.1 करोड़ यूरो थी।

रूसी तेल आयात बढ़ने के पीछे फैक्टर

अमेरिका की ओर से रूसी तेल पर एक महीने की प्रतिबंध छूट दिए जाने के बाद यह बढ़ोतरी हुई। यह छूट पहले से समुद्र में मौजूद खेपों और पहले प्रतिबंधित जहाजों से हो रही सप्लाई पर लागू थी। इसका मकसद ईरान के साथ तनाव के बाद बढ़ी कीमतों को कंट्रोल करना था। इस छूट के बाद सरकारी रिफाइनरियों ने फिर से आयात शुरू कर दिया। उन्होंने पहले रूस से तेल खरीद रोक दी थी।

सबसे बड़ा बदलाव क्या हुआ

रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में सबसे बड़ा बदलाव सरकारी रिफाइनरियों के आयात में देखा गया। इसमें मासिक आधार पर 148 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आयात मार्च, 2025 की तुलना में 72 फीसदी अधिक रहा। इसका कारण वायदा बाजार में रूसी तेल की अधिक उपलब्धता बताया गया है। मैंगलुरु और विशाखापत्तनम स्थित सरकारी रिफाइनरियों ने नवंबर, 2025 के अंत में रूस से आयात रोक दिया था। लेकिन, मार्च, 2026 में फिर से खरीद शुरू कर दी। फरवरी में भारत चीन और तुर्किये के बाद तीसरा सबसे बड़ा आयातक था। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में 19 फीसदी की कमी आई थी। जबकि कुल आयात में नौ फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। इसके बावजूद रूस फरवरी में भी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बना रहा।

यूरोप भी गए रूसी क्रूड से बने प्रोडक्ट

यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से 21 जनवरी, 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद मार्च में ऐसे 14 जहाजों ने यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे, जो रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल करने वाली रिफाइनरियों से जुड़े थे। इनमें से नौ खेप तुर्किये की रिफाइनरियों से, चार भारत से और एक जॉर्जिया से भेजी गई थीं। कुछ जहाजों ने कई यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे। फ्रांस मार्च में इन खेप का सबसे बड़ा रिसीवर रहा, जहां चार खेप उतारी गईं। इसके बाद साइप्रस (तीन खेप) का स्थान रहा।

सोने का रेट बढ़ा, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की संभावनाओं की वजह से आज इंटरनेशनल मार्केट गोल्ड और सिल्वर का रेट फिर से बढ़ा हुआ है।

मौजूदा परिस्थितियों की वजह से दुनिया भर में एनर्जी संकट गहरा गया है। बता दें, पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच एक दौर की बातचीत हो गई है। लेकिन यह पूरी वार्ता विफल रही थी। दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता तब नहीं हो पाया था। कीमतों में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली। जिसके बाद यह 4855 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले के सत्र में सोने का भाव 2 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। रेट भी आज बुधवार को बढ़ोतरी देखने को मिली है। चांदी की कीमतों में उछाल के बाद यह 79 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गई थी।

क्यों बढ़ रहा सोने और चांदी का रेट

ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत आने वाले दिनों में हो सकती है। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले दो दिनों में बातचीत शुरू होने के संकेत दिए हैं। इन खबरों की वजह से मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। वहीं, डॉलर इंडेक्स 0.3 प्रतिशत लुढ़क चुका है। बता दें, जब से युद्ध शुरू हुआ है तब से मेटल की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने

कहां तक जाएगा सोने और चांदी का रेट

रेनिशा कहती हैं कि सोने और चांदी इस समय भी बुल रन पर सवार हैं। हालांकि, आगे का रास्ता काफी अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। रेनिशा का कहना है टेक्निकल स्तर पर, 'गोल्ड 4800 से 4850 डॉलर (154000 रुपये से 155000 रुपये तक) के आस-पास रेसिस्टेंस दिखा रहा है।

8वां वेतन आयोग: 69000 रुपये न्यूनतम सैलरी और 6 प्रतिशत इंक्रीमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। 69,000 रुपये न्यूनतम वेतन, 3.83 का फिटमेंट फैक्टर, 6 पर्सेंट का सालाना इंक्रीमेंट, पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करना और न्यूनतम हाउस रेंट अलाउंस स्लैब को बढ़ाकर 30 पर्सेंट करना, ये नेशनल काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी) या ड्राफ्ट कमेटी की 8वें वेतन आयोग से जुड़ी कुछ प्रमुख मांगे हैं। यह मांगें उनके फाइनल मेमोरेंडम की हैं, जिसे सोमवार 13 अप्रैल 2026 को 8वें सीपीसी (सेंट्रल पे कमीशन) को सबमिट कर दिया गया। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

पोर्टल पर अपलोड किया फाइनल मेमोरेंडम- फाइनल मेमोरेंडम, सेंट्रल गवर्नमेंट एंप्लॉयी और पेंशनर बॉडीज के प्रमुख एसोसिएशंस और यूनियंस की 8वें केंद्रीय वेतन कमीशन से जुड़ी मांगों की कॉमन लिस्ट है। नेशनल काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी), इन यूनियंस का केंद्रीय एसोसिएशन है। नेशनल

काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी) के सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा ने 14 अप्रैल 2026 को ड्रॉफ्टिंग कमेटी मेंबर्स और कन्स्टिट्यूएंट्स को लिखे लेटर में कहा है, '8वें सीपीसी पर ड्रॉफ्टिंग कमेटी की फाइनल मीटिंग 13 अप्रैल 2026 को जे पी चौबे मेमोरियल लाइब्रेरी, 4 स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली में हुई। ड्रॉफ्टिंग कमेटी ने 8वें सीपीसी को सबमिट किए जाने वाले मेमोरेंडम को अंतिम रूप दिया और इसे 8वें सीपीसी के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया।'

फाइनल मेमोरेंडम में शामिल दूसरी मांगें अपनी दूसरी मांगों में ड्रॉफ्ट कमेटी ने 8वें पे कमीशन से सातवें वेतन आयोग के 18 एंप्लॉयीज लेवल को 7 में विलय (मर्ज) करने का आग्रह किया है। साथ ही, फैमिली यूनिट्स को 5 से बढ़ाकर 7 करने, 30 साल की सेवा में प्रत्येक कर्मचारी को कम से कम 5 प्रमोशन, हर पांच साल में पेंशन रिवीजन की मांग की गई है।

आईएमएफ ने बढ़ाया भारत का ग्रोथ अनुमान!

तेल संकट और युद्ध के बीच भी पॉजिटिव साइन

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक तनाव और ईरान-अमेरिका युद्ध जैसे हालात के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ने भारत की ग्रोथ को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है, जो यह संकेत देता है कि देश की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। खास बात यह है कि जहां एक तरफ वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव है, वहीं भारत इस माहौल में भी बेहतर प्रदर्शन करता नजर आ रहा है। आइए इस रिपोर्ट को जरा विस्तार से समझते हैं। भारत की जीडीपी ग्रोथ में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले के अनुमान से 1 प्रतिशत ज्यादा है। यह बढ़ोतरी इसलिए भी खास है, क्योंकि यह दिखाती है कि भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। ग्रोथ अनुमान 6.5 प्रतिशत रखा है, जो स्थिर और संतुलित विकास की ओर इशारा करता है। इस सुधार के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण भारत की मजबूत घरेलू मांग और पिछले साल का बेहतर आर्थिक प्रदर्शन है, जिसका असर आगे भी दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका द्वारा भारतीय सामान पर टैरिफ में कटौती से भी निर्यात को राहत मिली है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को सपोर्ट मिला है।

महंगाई के मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। अनुमान है कि एफवाय27 में महंगाई 4.7 प्रतिशत और 4 प्रतिशत तक आ सकती है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आम लोगों पर महंगाई का दबाव धीरे-धीरे कम हो सकता है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर स्थिति इतनी मजबूत नहीं दिख रही है। दुनिया की कुल ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है।

एलआईसी दे रही पहली बार बोनस शेयर

सिर्फ इन निवेशकों को होगा फायदा, 5 प्रतिशत चढ़े शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी जानकारी स्टॉक एक्सचेंज के साथ साझा की है। कंपनी की तरफ से 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। बता दें कि की बोर्ड मीटिंग में बोनस शेयर देने पर फैसला हुआ था। बोनस शेयर अनाउंसमेंट के बाद सोमवार को शेयरों में तूफानी तेजी आई है। शेयर सोमवार को BSE में 5 पर्सेंट के उछाल के साथ 844.85 रुपये पर पहुंच गए हैं।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाल एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। बोनस शेयर का फायदा सिर्फ उन निवेशकों को मिलेगा जिन

लोगों के पास रिकॉर्ड डेट पर शेयर रहेंगे। बता दें, कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है।

एलआईसी शेयरों का प्रदर्शन

बीते दो हफ्ते में एलआईसी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 4.29 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, तीन साल से एलआईसी के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 46 प्रतिशत का लाभ मिला है। सरकारी बीमा कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि अक्टूबर से दिसंबर के दौरान कुल 12930 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर तब 17 प्रतिशत बढ़ गया था।

कब मिलेगा बोनस शेयर

एलईसी ने बताया है कि योग्य निवेशकों को अगले दो महीने में बोनस शेयर क्रेडिट कर दिया जाएगा। यानी इनवेस्टर्स को 12 जून या उससे पहले बोनस शेयर मिलेगा। बता दें, एलआईसी 5 बार निवेशकों को डिविडेंड दे चुकी है। एलआईसी ने पहली बार निवेशकों को 2022 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 1.50 रुपये का डिविडेंड बांटा था। दूसरी बार कंपनी ने 2023 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 3 रुपये का डिविडेंड दिया है। तीसरी बार कंपनी ने 2024 में डिविडेंड दिया है। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 4 रुपये का फायदा हुआ है। 2024 में कंपनी ने दो बार डिविडेंड निवेशकों को दिया था। दूसरी बार हर शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड मिला था। बता दें, आखिरी बार शेयर बाजार में कंपनी 25 जुलाई 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब एक शेयर पर 12 रुपये का फायदा निवेशकों को मिला था।

टीम इंडिया में बदलते समीकरण, इंग्लैंड दौरा होगा 'करो या मरो'

फॉर्म से जूझ रहे सूर्या पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने अब असली चुनौती शुरू होती दिख रही है। हालिया समय में उनकी बल्लेबाजी में आई गिरावट ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। टीम इंडिया ने भले ही बड़े टूर्नामेंट में सफलता हासिल की हो, लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन में निरंतरता की कमी अब सूर्यकुमार यादव के भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है। सूर्यकुमार यादव के लिए जून-जुलाई में इंग्लैंड और आयरैंड दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि करियर का अहम मोड़ साबित हो सकता है। इस दौरे में उनकी कप्तानी से ज्यादा बल्लेबाजी पर नजर रहेगी, क्योंकि 2028 ओलंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया में जगह अब पूरी तरह प्रदर्शन के आधार पर तय होगी।

सूर्या के लिए खराब रहा 2025

सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा। उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपने प्रदर्शन में हर हाल में निरंतरता लानी होगी। इस बीच, वैभव सूर्यवंशी का नाम टी20 टीम के लिए उन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया, जिन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने जून-जुलाई में आयरलैंड दौरे के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में चुना है। सूत्र ने लिखा, ''चयन समिति को पूरा विश्वास है कि वैभव तैयार है, लेकिन फिर आप संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और इशान किशन की बात कर रहे हैं। ये तीनों ही टी20 विश्व कप में अर्धशतक लगा चुके हैं। अगर आप चौथा ओपनर रखते हैं, तो यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं।''

खराब फॉर्म के कारण उठे सवाल

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लगे हैं कि क्या उन्हें 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इंग्लैंड दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं।

कोच गंभीर की पहली पसंद हैं

सूर्यकुमार यादव अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति गौतम गंभीर से

सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, ''सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें।

'कोविड वैक्सीन से गई जान'

● शेन वॉर्न की मौत पर बेटे का बड़ा बयान, सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न का निधन 2022 में थाईलैंड में हुआ था। अब इस हादसे के चार साल बाद उनके बेटे ने उनकी मौत के कारण पर बड़ा बयान दिया है। शेन के बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि उनके पिता की जान कोविड वैक्सीन के कारण गई है। जैक्सन ने '2 वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट' पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि, दिग्गज स्पिनर की मौत संभवत: कोविड के उन 'तीन या चार' टीकों के कारण हुई थी जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे।' शेन वॉर्न का निधन 52 वर्ष की उम्र में हुआ था। जैक्सन ने कहा 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड वैक्सीन का हाथ था। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा। भले ही डैड को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, लेकिन मुझे लगता है कि टीका लगाने के कारण उनकी बीमारी खुलकर सामने आ गई। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं। जैसे ही मैंने (वॉर्न की मौत की खबर मिलने के बाद) फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया में मैंने तुरंत सरकार को और कोविड वैक्सीन को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने कहा कि उन्होंने शोक सभा में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने कहा, 'शायद यह समझदारी भरा कदम था कि मैंने ऐसा नहीं किया, अगर मैंने ऐसा किया होता तो मेरी स्थिति बिल्कुल अलग होती। लेकिन मुझे यही महसूस हुआ। पहले भी दिल का दौरा पड़ने से बहुत से लोग मर रहे थे। लेकिन डैड ठीक थे। मुझे लगता है उन्होंने तीन या चार (टीके) लगवाए होंगे।

जीरो टॉलरेंस या खोखला वादा?

ISL में कथित नस्लभेदी घटना ने खोली भारतीय फुटबॉल सिस्टम की पोल!

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग में फिर नस्लभेद का जिन्न सामने आया है, जिसने खेल प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेंगलुरु स्थित श्री कांतीरावा स्टेडियम में 11 अप्रैल को बेंगलुरु एफसी और केरल ब्लास्टर्स के बीच खेले गए ISL मैच में सेनेगल के डिफेंडर फालू नडियाये को स्थानीय दर्शकों की भद्दी नस्लभेदी टिप्पणियों का शिकार होना पड़ा। केरल ब्लास्टर्स ने वह मैच 2-1 से जीता था। केरल ब्लास्टर्स की कड़ी आपत्ति और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मामले को अपनी अनुशासनात्मक समिति को सौंप दिया। हालांकि, AIFF और बेंगलुरु एफसी दोनों ने नस्लभेद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन प्रशंसक अब ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में खेल के मैदान नफरत का अखाड़ा न बने।

AIFF का दावा- हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति

बयान में कहा गया, ''AIFF नस्लवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति अपनाता है। शिकायतों को एआईएफएफ की अनुशासन संहिता के अनुसार जांच के लिए अनुशासन समिति को भेज दिया गया है। अनुशासन समिति एक स्वतंत्र न्यायिक संस्था है। जब तक यह कार्यवाही चल रही है, तब तक एआईएफएफ इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं करेगा।

सीएसके की लगातार दूसरी जीत

केकेआर को 32 रन से हराया, नूर अहमद की बेहतरीन गेंदबाजी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 22वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ। चेन्नई सुपर किंग्स ने सीजन में पहले तीन मैच लगातार हारने के बाद अब लगातार दो मैच जीत लिए हैं। सीएसके ने केकेआर को 32 रन से हराया। सीएसके के 193 रन के लक्ष्य के जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 160 रन ही बना सकी। नूर अहमद ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 21 रन देकर तीन

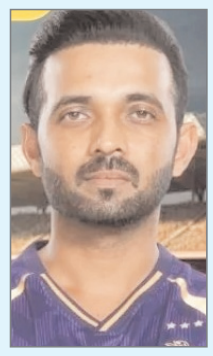

विकेट लिए। उनके अलावा अंशुल कम्बोज को 2 और अकील होसेन व खलील अहमद को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। सीएसके की टीम को पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिला और पहले खेलते हुए टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। यह पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पॉवरप्ले में सीएसके ने 72 रन बनाए थे और फिर अगले 14 ओवर में 120 रन बनाए। खासतौर से स्पिनर्स ने बेहतरीन गेंदबाजी की। कार्तिक त्यागी ने अपने वैरिएशन्स से कमाल किया। संजू सैमसन ने 48 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 41 रन की पारी खेली। कार्तिक त्यागी ने 4 ओवर में 35 रन देकर दो विकेट लिए और सबसे सफल गेंदबाज रहे। वहीं सुनील नरेन, अनुकूल रॉय और वैभव अरोड़ा को 1-1 विकेट मिला।

राजस्थान रॉयल्स के कोच का खुलासा

वैभव नहीं हैं कप्तान पराग के फैसले से खुश

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पहले चार मैचों में वैभव सूर्यवंशी ने कमाल का खेल दिखाया था। सोमवार (13 अप्रैल 2026) को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 15 वर्षीय बल्लेबाज का पहला फ्लॉप शो भी देखना को मिला। वैभव इस मैच में खाता भी नहीं खोल पाए। इस दौरान एक बड़ी बात भी निकलकर आई कि वैभव टीम के कप्तान और टीम मैनेजमेंट के एक फैसले से खुश नहीं हैं। यह फैसला है वैभव को बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खिलाने का।

आपको बता दें कि आरसीबी के खिलाफ और फिर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, दोनों मैचों में वैभव सूर्यवंशी को फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतारा गया। इस पर अब राजस्थान रॉयल्स के फील्डिंग कोच ट्रेवर पेने ने खुलासा किया है। उनके अनुसार वैभव सूर्यवंशी इस फैसले से नाखुश हैं। क्योंकि कोच के अनुसार वैभव को फील्डिंग करना पसंद है।

अंडर 19 वर्ल्ड कप और आईपीएल में भी देखा गया है कि 15 वर्षीय इस धाकड़ ओपनर ने कई शानदार कैच पकड़े हैं। वहीं यूथ क्रिकेट में उन्हें गेंदबाजी करते हुए और विकेट लेते हुए भी देखा गया है। वैभव के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2 विकेट भी दर्ज हैं।

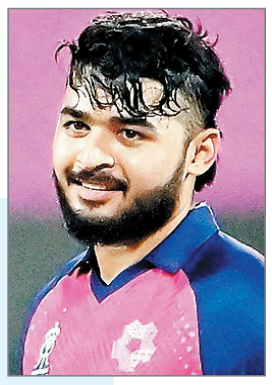

क्या बोले राजस्थान के फील्डिंग कोच?

वैभव सूर्यवंशी के नाखुश होने का खुलासा करते हुए ट्रेवर पेने ने सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के मैच के दौरान बताया, 'पिछले मैच में जब उन्हें (वैभव को) बाहर रखा गया तो वह खुश नहीं थे क्योंकि उन्हें फील्डिंग करना पसंद है। ऐसा नहीं है वह खराब फील्डर हैं। डोनोवन (फरेरा) ने फिटनेस टेस्ट पास किया है। एसए20 में उनकी कॉलरबोन टूट गई थी।

वैभव गोल्डन डक पर आउट

वैभव सूर्यवंशी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए। डेब्यूटेंट गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने उन्हें पहली गेंद पर ही पवेलियन भेज दिया था। पिछले चार मैचों में 200 रन बनाकर उनके पास ऑरेंज कैप भी थी। एक फ्लॉप इनिंग के बाद उनसे ऑरेंज कैप भी छिन गई।

T20 विश्व कप 2026 के हीरो संजू सैमसन बने ICC प्लेयर ऑफ द मंथ

शुरू में प्लेइंग 11 में भी नहीं मिली थी जगह

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के चलते भारत के संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। संजू सैमसन को इस प्रतियोगिता के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। बाद में संजू सैमसन को जब टीम में शामिल किया गया तो उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। संजू सैमसन ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंद में 89 रन बनाकर भारत को इस साल की शुरुआत में लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जिताने में मदद की थी। संजू सैमसन को यह सम्मान मिलने का मतलब है कि पिछले पांच महीनों में यह अवॉर्ड अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों के नाम रहा है। इस सूची में पिछले चार खिलाड़ी साइमन हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान) हैं।

ICC का पुरस्कार मिलना अविश्वसनीय अहसास: संजू सैमसन

संजू सैमसन ने इस प्रदर्शन को अपने करियर का महत्वपूर्ण दौर करार दिया। संजू सैमसन ने कहा, ''आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करना अविश्वसनीय अहसास है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे अविस्मरणीय दौर में मिला है। पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना एक सपने के साकार होने जैसा था और उस पल के महत्व को पूरी तरह समझने में मुझे कुछ समय लगा।'' संजू सैमसन ने कहा, ''भारतीय क्रिकेट के लिए यह एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर क्षेत्र में अपार प्रतिभा मौजूद है। मुझे जो अवसर मिले उनके लिए मैं आभारी हूं। मैं टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ का मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए आभारी हूं जिसके कारण मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया।'' संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन बनाने से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए थे।

संजू पहली बार ICC प्लेयर ऑफ द मंथ

संजू सैमसन को पहली बार आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का सम्मान मिला है। न्यूजीलैंड की कप्तान मेली केर ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद महिला वर्ग में तीसरी बार यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में 16 विकेट लेने के अलावा 140 रन भी बनाए।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

महिला सांसद का सनसनीखेज दावा- स्वयंभू बाबा अशोक खरात का हो सकता है मुठभेड़ में सफाया

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने मंगलवार को दावा किया कि बलात्कार के कई मामलों में गिरफ्तार स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात को फर्जी मुठभेड़ में मारा जा सकता है।

इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहाकि अगर वह जिंदा रहा तो उससे जुड़े और भी नाम सामने आने की संभावना है। शिंदे ने यहां पत्रकारों से कहाकि मुझे लगता है कि खरात का मुठभेड़ में सफाया किया जाएगा। कारण स्पष्ट है, उससे जुड़े और भी नाम सामने आने की संभावना है। ये नाम भी सत्ता में बैठे लोगों से जुड़े हैं, जिनमें मंत्री भी शामिल हैं।

कुछ बुरा हो सकता है: प्रणीति ने कहाकि और भी सबूत सामने आ सकते हैं, लेकिन उससे पहले उसके (खरात के) साथ कुछ बुरा हो सकता है। खरात को नासिक पुलिस ने तीन साल से अधिक समय तक एक महिला के साथ बार-बार बलात्कार करने के आरोप में 18 मार्च को गिरफ्तार किया था।

बाद की जांच में यौन शोषण, भूमि हड़पने और धोखाधड़ी के और भी मामले सामने आए। पिछले कुछ वर्षों में, कई प्रमुख नेता सिन्हार तहसील में खरात द्वारा निर्मित एक मंदिर में दर्शन करने गये थे। शिंदे के दावे पर महाराष्ट्र के मंत्री एवं भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि कुछ लोग जांच में सहयोग करने के बजाय निराधार दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दावे जांच की दिशा भटकाने का प्रयास प्रतीत होते हैं।

पुलिस हिरासत में है खरात: खरात फिलहाल पुलिस हिरासत में है। उसके खिलाफ अहिल्या नगर और नासिक शहर में 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से आठ यौन उत्पीड़न से जुड़े हैं। एसआईटी की प्रमुख एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी तेजस्वी सतपुते ने मंगलवार को बताया कि उनकी टीम ने अब तक 30 गवाहों और पीड़ितों के बयान दर्ज किए हैं। सतपुते ने संवाददाताओं को बताया कि पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी ने पीड़ितों और उनके परिवारों की आस्था का फायदा उठाया। पीड़ित परिवार के सदस्यों में मृत्यु का भय पैदा करके और पत्थर, इमली के बीज जैसी चीजों का इस्तेमाल करके तथा अनुष्ठान करके उसने उनसे पैसे वसूले।

उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खरात और उसकी संपत्तियों से कथित तौर पर जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। सतपुते ने कहा कि एसआईटी ने खरात के खिलाफ मामलों की जांच के लिए 24-सदस्यीय विशेष दल का गठन किया है।

दिव्य शक्ति के इस्तेमाल का दावा कर डराता था: गौरतलब है कि यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार स्वयंभू धर्मगुरु एवं ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को कहाकि आरोपी ने 'दिव्य शक्ति' होने का दावा करके महिलाओं का यौन शोषण किया। जांचकर्ताओं के मुताबिक, खरात ने महिलाओं को भयभीत किया कि अगर वे उसकी बात नहीं मानेंगी तो उसकी 'दैवीय शक्तियों' के प्रभाव से उनके (महिलाओं के) परिवार के सदस्यों की मौत हो जाएगी या उन्हें वह बदनाम कर देगा। जांच के मुताबिक, खरात महिलाओं को अपने प्रभाव में लेने के लिए अनुष्ठान का सहारा लेता था और डराने-धमकाने तथा 'दिव्य आह्वान' के लिए पत्थर और इमली के बीज जैसी वस्तुओं का इस्तेमाल करता था।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने 135वीं अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने देश के महान संविधान निर्माता के योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।

इसके उपरांत श्री जयन्त चौधरी संसद भवन के सेंट्रल हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की गरिमामयी उपस्थिति में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबा साहेब के जीवन और उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों को याद किया। श्री जयन्त चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी देश के युवाओं को आगे बढ़ने की दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समावेशी विकास और कौशल सशक्तिकरण के माध्यम से एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसके उपरांत, श्री जयन्त चौधरी ने सांसद राजकुमार सांगवान और चंदन चौहान के साथ अपने आवास पर डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

राजस्थान में बीएपी नेता के भाई की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस मान रही प्रेम प्रसंग के कारण हुई घटना

उदयपुर , एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) नेता के भाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजन ने युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

पुलिस इसे प्रेम प्रसंग के कारण हत्या मान रही है। सोमवार देर रात 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में झाड़ियों में मिला। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में सामने आया है कि रात करीब 2 बजे बीएपी नेता को सरपंच प्रकाश का फोन आया था। सरपंच ने लोकेशन बताते हुए कहा कि तुम्हारा भाई झाड़ियों में पड़ा है। एसपी सुधीर जोशी ने कहा कि फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और कॉल डिटेल खंगाली जा रही हैं। मृतक शादीशुदा था और उसके दो छोटे बच्चे हैं।

वर्दी पहनकर धोखाधड़ी: शादी का झांसा देकर 60 महिलाओं को बनाया शिकार

हैदराबाद, एजेंसी। सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरकर एक महिला और उसके परिवार को शादी के लिए धोखा देने के आरोप में एक 30 वर्षीय युवक को हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का आरोपित सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध तरीके से फोटो खींचते हुए पैरामिलिट्री यूनिफार्म पहने पाया गया। उसे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा रोका गया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। वह एक तलाकशुदा महिला के साथ रिश्ते में था। उसने महिला से शादी करने की साजिश के तहत सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरा था, जबकि उसने अपनी पहली पत्नी से अलगाव कर लिया था। आरोपित ने महिला के परिवार को बताया था कि वह हैदराबाद हवाई अड्डे पर सीआइएसएफ में तैनात है। अधिकारी ने कहा, उसने एक यूनिफार्म खरीदी और सोमवार को हैदराबाद हवाई अड्डे पर गया, जहां उसने अपने मोबाइल फोन पर फोटो खींचे। उसने ये फोटो महिला के परिवार को एक इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप से भेजे और यह दावा करने के लिए वीडियो कॉल भी किया कि वह सीआईएसएफ में काम कर रहा है और हवाई अड्डे पर तैनात है।

घरवालों ने तय किया रिश्ता तो पानी की टंकी पर चढ़ गई लड़की, बुलाया गया प्रेमी; शाम होते-होते मांग पूरी

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती अपने प्रेमी से शादी की जिद को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से समझाकर उसे नीचे उतरवाया। देर शाम उनकी मंदिर में शादी कराई गई।

पुलिस के अनुसार, युवती का परिवार उसकी शादी कहीं और तय कर चुका था और घर में तैयारियां भी चल रही थीं। शादी की तारीख महज चार दिन बाद की बताई जा रही है। युवती ने प्रेमी से शादी के लिए कहा तो परिवारीजनों ने इंकार कर दिया था, जिसके बाद वह घरवालों ने नाराज होकर पानी की ऊंची टंकी पर चढ़कर विरोध जताने लगी। उसने कहा कि अगर उसकी शादी उसके प्रेमी से नहीं कराई गई तो वह खुदकुशी कर लेगी।

युवती के टंकी पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। काफी देर तक समझाने-बुझाने और धैर्यपूर्वक बातचीत के बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और स्थिति को नियंत्रित किया। उसके परिवारीजन और प्रेमी को बुलाकर पुलिस ने बात की। पता चला कि दोनों बालिग हैं। ग्राम प्रधान की पहल पर दोनों परिवारों के बीच समझौता कराया गया, जिसमें अंततः प्रेमी युगल की शादी के लिए सहमति बन गई। शाम को मंदिर में दोनों की शादी करा दी गई। एसपी साउथ दिनेश पुरी ने बताया कि युवती को समझाकर नीचे उतारा गया। दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया।

झंगहा में भी शादी कराने को पानी की टंकी पर चढ़ी थी किशोरी

वहीं, कुछ दिन पहले गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के राघोपट्टी पडरी गांव में भी ऐसी एक घटना सामने आई थी। वहां एक किशोरी अपने प्रेमी से शादी की जिद में पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। सूचना मिलने पर उसका प्रेमी भी मौके पर पहुंच गया था। वह भी पानी की टंकी पर चढ़ा और शादी का भरोसा दिया। इसके बाद ही वह नीचे उतरी। हालांकि लड़की के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने प्रेमी पर केस दर्ज कर उसे जेल भेजवा दिया था। मिली जानकारी के अनुसार किशोरी और युवक की मुलाकात हाईस्कूल की परीक्षा के दौरान हुई थी।

सीएम नायडू ने अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटीज का उद्घाटन किया

स्वदेशी हार्डवेयर इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा

अमरावती , एजेंसी। अमरावतीः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को अमरावती में क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित मानक परीक्षण एवं अनुसंधान केंद्र एक्यूआरएफ का उद्घाटन किया. इसका उद्देश्य देश की पहली 'स्वदेशी हार्डवेयर पारिस्थितिकी' तैयार करना और उन्नत कंप्यूटिंग प्रणालियों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है.

विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर लॉन्च किए गए अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटीज (एक्यूआरएफ) में एसआरएम यूनिवर्सिटी में स्थित अमरावती 1एस और मेधा टावर्स में स्थित अमरावती 1क्यू शामिल हैं. यह परियोजना 'अमरावती क्वांटम वैली' पहल के तहत विकसित की गई है. इसे देश के पहले स्वदेशी 'ओपन-एक्सेस क्वांटम कंप्यूटर प्रणाली' के रूप में पेश किया गया है, जिन्हें देश में ही डिजाइन, असेंबल और परीक्षण किया गया है.

इस अवसर पर कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए सीएम नायडू ने कहा, 'देश की पहली क्वांटम रेफरेंस सुविधा का शुभारंभ, उन्नत तकनीकों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है और यह राज्य को क्वांटम इनोवेशन के केंद्र के रूप में स्थापित करता है. ' नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया, जिन्होंने भारत की 'पहली ओपन-एक्सेस' क्वांटम सुविधाओं के हिस्से के रूप में अमरावती क्वांटम वैली की स्थापना को प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि क्वांटम हार्डवेयर टेस्टबेड (परीक्षण मंच), क्वांटम उपकरणों के परीक्षण और प्रमाणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और उभरती हुई तकनीकों में देश की क्षमताओं को मजबूत करेंगे.

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि यह पहल शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के लोगों और छात्रों को क्वांटम प्रणालियों तक पहुंच प्रदान करेगी, जिससे वे क्वांटम तकनीकों के क्षेत्र में रिसर्च, विकास और नवाचार करने में सक्षम हो सकेंगे. उन्होंने कहा की कि जिस तरह बिजली ने औद्योगिक विकास को गति दी और इंटरनेट ने डिजिटल युग को शक्ति प्रदान की, उसी तरह क्वांटम तकनीक आधुनिक नवाचार को आगे बढ़ाएगी।

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार से राहुल गांधी की गैरहाजिरी से डीएमके गठबंधन की बढ़ी चिंता

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अपने दौरे की तारीखों की घोषणा में लगातार हो रही देरी से पार्टी की राज्य इकाई और उसके गठबंधन सहयोगी डीएमके की चिंता बढ़ गई है। गहन बातचीत के बाद 28 सीटें मिलने के बावजूद कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अभी तक तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के लिए मैदान में नहीं उतरा है। ऐसे समय में जब प्रतिद्वंद्वी दलों ने आक्रामक और जोरदार प्रचार अभियान तेज कर दिया है, राहुल गांधी की अनुपस्थिति से कई उम्मीदवारों को महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के भीतर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की भागीदारी के लिए दबाव बढ़ रहा है, जिन्हें पार्टी का सबसे बड़ा जनसमर्थक माना जाता है। नेताओं का मानना है कि उनकी उपस्थिति कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भर सकती है और चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पार्टी की दृश्यता में सुधार कर सकती है।

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई और अन्य वरिष्ठ नेता पार्टी के आधार को सक्रिय करने के लिए राज्यव्यापी जनसंपर्क अभियान में लगे हुए हैं। हालांकि, पार्टी के भीतर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे राष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति की मांग बढ़ रही है, जिन्हें व्यापक रूप से पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बढ़ाने में सक्षम माना जाता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने अभी तक अपने तमिलनाडु दौरे की तारीखें तय नहीं की हैं। उनकी हिचकिचाहट कथित तौर पर तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के भीतर के मतभेदों से जुड़ी है, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर बेचैनी पैदा कर दी है। इसी बीच, कांग्रेस नेता 16-18 अप्रैल को होने वाले प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास को लेकर भाजपा की मुखर आलोचना कर रहे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी का ध्यान संगठनात्मक मुद्दों और राजनीतिक संदेश के बीच बंटा हुआ है। इस देरी ने राहुल गांधी और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के बीच संबंधों में संभावित तनाव की अटकलों को और भी बल दिया है।

मायावती ने एससी-एसटी और ओबीसी महिलाओं के लिए अलग आरक्षण मांगा, 33 की जगह 50% करने की भी मांग

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने महिला आरक्षण बिल को लेकर बड़ा राजनीतिक दांव चला है। संसद के विशेष सत्र के दौरान पेश होने वाले इस बिल का स्वागत करते हुए मायावती ने मांग की है कि महिलाओं को 33 प्रतिशत नहीं बल्कि उनकी आबादी के हिसाब से 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग की है

'आरक्षण में आरक्षण' की जोरदार मांग: मायावती ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश में बहुजन समाज, खासकर दलित और पिछड़ी जातियों की महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। उन्होंने कहा, 'महिला आरक्षण की असली हकदार एससी-एसटी और ओबीसी समाज की महिलाएं हैं। यदि इस बिल में इन वर्गों के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई, तो सामंती ताकतों के कारण ये महिलाएं लाभ से वंचित रह जाएंगी।' उन्होंने कहा कि सर्व समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण दिए बगैर इसे लागू करने पर इसका पूरा फायदा मिलने पर लोगों को शंका है।।

विरोधियों की 'जातिवादी' राजनीति पर प्रहार: विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही जातिवादी पार्टियां साम-दाम-दंड-भेद का इस्तेमाल कर दलित वोट बैंक को लुभाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावधान करते हुए कहा कि इन खोखले वादों का दलित समाज पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन ईमानदारी से उन पर अमल नहीं किया जाता।

बाबा साहेब और हिंदू कोड बिल का जिक्र: इतिहास का हवाला देते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 'हिंदू कोड बिल' के जरिए महिलाओं को समान अधिकार देना चाहा था, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे स्वीकार नहीं किया। बाद में उसे 'आत्माविहीन' करके टुकड़ों-टुकड़ों में लागू किया गया। इसी विरोध के चलते बाबा साहेब को कानून मंत्री के पद से इस्तीफा तक देना पड़ा था। मायावती ने कहा कि जिस तरह बसपा के अनवरत संघर्षों के बाद मंडल आयोग ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया, उसी तरह महिलाओं को भी उनका पूर्ण हक मिलना चाहिए।

संकीर्ण मानसिकता त्यागने की अपील: मायावती ने केंद्र सरकार से अपील की है कि महिलाओं की लगातार हो रही दयनीय स्थिति और उनके साथ होने वाली जघन्य वारदातों को देखते हुए, महिला आरक्षण को किसी भी संकीर्ण राजनीति से दूर रखा जाए। उन्होंने मांग की कि इस बिल को बिना किसी देरी के जल्द से जल्द और समावेशी तरीके से लागू किया जाए ताकि सर्वसमाज की महिलाओं को मुख्यधारा में आने का मौका मिल सके।

पत्नी को किचन जाने से रोकना मानसिक क्रूरता, बॉम्बे हाई कोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी?

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने पिछले हफ्ते एक अहम फैसले में कहा कि, किसी महिला को उसके अपने किचन में जाने से रोकना मानसिक क्रूरता है; जो उसके मौलिक अधिकारों और गरिमा के मूल पर चोट करती है। बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं के लिए खाना बनाना सिर्फ एक रोजमर्रा का घरेलू काम नहीं है, बल्कि यह एक महिला की गरिमा, पहचान और वैवाहिक घर में उसके सही स्थान की अभिव्यक्ति है।

कोर्ट ने यह फैसला अकोला में रहने वाली एक महिला की ओर से नागपुर में रहने वाले अपने पति के खिलाफ दायर एक मामले की सुनवाई करते हुए सुनाया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति और सास ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, और उसके पति ने उसे किचन में जाने से रोक दिया, जिसके कारण उसे अपने मायके वापस लौटना पड़ा।

किचन में ना जाने देना मानसिक क्रूरता: वहीं, मामले में फैसला सुनाते हुए, जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के ने टिप्पणी की कि नागपुर में रहने वाले पति के खिलाफ लगाए गए आरोपों से पहली नजर में क्रूरता का एक स्पष्ट मामला बनता है। कोर्ट ने कहा, उसे किचन में जाने की भी इजाजत नहीं थी और उसे बाहर से खाना लाने के लिए कहा जाता था, और साथ ही यह भी जोड़ा कि इस तरह का बर्ताव मानसिक क्रूरता का अनुमान लगाने के लिए काफी है।

दरअसल, 29 नवंबर, 2022 को अपनी शादी के तुरंत बाद अकोला से दायर अपनी शिकायत में, महिला ने आरोप लगाया कि उसे बार-बार परेशान किया गया। उसकी शिकायत के अनुसार, उसका पति अक्सर झगड़ा करता था, उसके आने-जाने पर रोक लगाता था, और उसे अपने मायके जाने से रोकता था। उसने आगे दावा किया कि उसे खाना बनाने से रोका गया, बाहर से खाना मंगाने के लिए मजबूर किया गया, अपमानित किया गया, और तलाक लेने के लिए दबाव डाला गया; यहां तक कि कथित तौर पर उसका सामान भी घर से बाहर फेंक दिया गया।

पति ने कहा-तलाक के जवाब में पत्नी ने दर्ज कराया मामला: महिला की शिकायत के बाद, 2024 में पति और उसकी मां दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद एफआईआर को चुनौती देते हुए, पति ने तर्क दिया कि यह मामला उसकी तलाक की अर्जी के जवाब में दायर किया गया है और यह सामान्य, बिना किसी ठोस आधार के लगाए गए आरोपों पर आधारित है। हालांकि, अभियोजन पक्ष और शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि आरोप स्पष्ट रूप से लगातार मानसिक क्रूरता की ओर इशारा करते हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, कोर्ट ने अभियोजन पक्ष का साथ दिया, और कहा कि पति के खिलाफ लगाए गए आरोप विशिष्ट हैं और मानसिक नुकसान पहुंचाने वाले जान-बूझकर किए गए बर्ताव की ओर संकेत करते हैं। इसके बाद कानूनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए, कोर्ट ने दोहराया कि धारा 498 के तहत क्रूरता में कोई भी ऐसा जान-बूझकर किया गया बर्ताव शामिल है। जिससे किसी महिला को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़े, या जिससे उसके जीवन, शरीर या मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर चोट या खतरा पहुंचे।

वाट्सएप चैट विवाद: अभिषेक की पत्नी तक पर 'नजर' के आरोप से गरमाया चुनावी माहौल; निष्पक्षता पर उठाया सवाल

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए नया विवाद खड़ा कर दिया है। सार्वजनिक किए हैं, जिनमें दावा किया गया है कि आयोग ने अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुचिरा तक को निगरानी के दायरे में रखने के निर्देश दिए हैं। तृणमूल का दावा है कि इन निर्देशों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छोड़कर पार्टी के सभी बड़े नेताओं, मंत्रियों और यहां तक कि अभिषेक की पत्नी को भी जांच के दायरे में रखने को कहा गया है।

पार्टी का आरोप है कि आयोग ने संदेशों में आशंका जताई है कि अभिषेक की पत्नी के जरिए धन का लेनदेन हो सकता है, इसलिए उनकी भी सघन जांच की जाए। तृणमूल का आरोप है कि इन चैट्स में पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि पार्टी नेताओं और मंत्रियों की गाड़ियों की व्यापक तलाशी ली जाए। इतना ही नहीं, कथित तौर पर अभिषेक और उनकी पत्नी का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए धन के संभावित लेनदेन पर नजर रखने को कहा गया है।